दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik

asliazadidainikofficial

असली आज़ादी

The Voice of Union Territory Dadra and Nagar Haveli and Daman-Diu Since 2005

www.asliazadi.com

■ वर्ष: 20, अंक: 299 ■ दमण, शुक्रवार 22 अगस्त 2025, ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता का दीव में प्रशासक प्रफुल पटेल ने राजकीय सम्मान के साथ किया स्वागत

■ लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता की धर्मपत्नी बिन्दु गुप्ता का भी प्रशासक प्रफुल पटेल ने किया स्वागत ■ लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने एनेक्सी सर्किट हाउस, वडली माता स्कूल, एज्युकेशन हब, प्रधानमंत्री आवास योजना-घोघला, टेंट सिटी-फर्न, सेवा सदन एवं फॉरेस्ट सर्किट हाउस की मुलाकात लेकर विभिन्न विकास कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के अमलीकरण और प्रशासक के प्रयासों को सराहा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 21 अगस्त।

लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता अपनी धर्मपत्नी बिन्दु गुप्ता के साथ आज दीव पहुंचे थे। दीव एयरपोर्ट पर आगमन के बाद लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता का संघ प्रदेश के शीर्ष अधिकारियों द्वारा स्वागत किया गया। तत्पश्चात लद्दाख के उपराज्यपाल एनेक्सी सर्किट हाउस गेटवे पधारे, जहां संघ प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण-दीव के प्रशासक प्रफुल पटेल ने उनका भव्य स्वागत किया और लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस दौरान प्रशासक प्रफुल पटेल ने लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता और उनकी धर्मपत्नी बिन्दु गुप्ता का पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह देकर गर्मजोशी से स्वागत किया। लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने एनेक्सी सर्किट हाउस गेटवे का अवलोकन किया और इसकी सराहना की। इसके उपरांत प्रशासक प्रफुल पटेल के साथ लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता दीव के महत्वपूर्ण परियोजना स्थलों पर गए। इसके तहत उन्होंने वणाकबारा में वडलीमाता स्कूल में हो रहे निर्माणाधीन स्कूल भवन का अवलोकन किया। इसके उपरांत उन्होंने नागवा फर्न टेंट सिटी, केवडी स्थित एज्युकेशन हब, गांधीपरा स्थित एसटीपी का दौरा किया। तदुपरांत प्रशासक प्रफुल पटेल के साथ लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने घोघला स्थित प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के तहत निर्मित आवासों का दौरा किया और आवासों का अवलोकन करने के साथ वहाँ रहने वाले निवासियों से बात की। इन आवासों में रहने वाले नागरिकों ने प्रशासक प्रफुल पटेल के साथ लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता का तहेदिल से स्वागत एवं अभिनंदन किया, जिससे लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता अभिभूत हो गए। इसके उपरांत प्रशासक के साथ लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता फोर्ट सर्किट हाउस गए। लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने दीव में चल रहे विकास कार्यों के लिए संघ प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव के प्रशासक प्रफुल पटेल की सराहना की।

लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता का दमण गवर्नमेंट हाउस में प्रशासक प्रफुल पटेल ने किया भव्य स्वागत

■ प्रशासक प्रफुल पटेल ने परंपरागत आदर-सत्कार के साथ लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता और उनकी धर्मपत्नी बिन्दु गुप्ता को शॉल, पुष्पगुच्छ तथा वारली पेंटिंग भेंट की

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 21 अगस्त। लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता आज शाम दमण पहुंचे थे। दमण पहुंचने पर गवर्नमेंट हाउस में लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता और उनकी धर्मपत्नी बिन्दु गुप्ता का संघ प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण-दीव के प्रशासक प्रफुल पटेल ने भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर प्रशासक प्रफुल पटेल ने परंपरागत आदर-सत्कार के साथ उपराज्यपाल एवं उनकी धर्मपत्नी को शॉल, पुष्पगुच्छ तथा वारली पेंटिंग भेंट की।

प्रशासक प्रफुल पटेल के संघ प्रदेश थ्रीडी में 9 साल पूरे होने के कार्यक्रमों के लिए सिलवासा में आयोजित हुई भाजपा की बैठक

■ संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा प्रभारी दुष्यंत पटेल एवं भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया के मार्गदर्शन में दानह के भाजपाईयों ने कार्यक्रमों की तैयार की रूपरेखा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 21 अगस्त। पीएम मोदी ने 2016 में संघ प्रदेश थ्रीडी की कमान अपने साथी गृहमंत्री रहे प्रफुल पटेल को सौंपी थी। इसी महीने के अंत में प्रशासक के रूप में इस संघ प्रदेश में प्रफुल पटेल के 9 साल पूरे होने जा रहे है। भाजपा ने इस 9 साल में हुई विकास यात्रा को विकास उत्सव के रूप में मनाने का निर्णय किया है। कल दमण में भाजपाईयों ने इस पर मंथन किया था और आज सिलवासा के अटल भवन में भी प्रस्तावित कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने के लिए बैठक आयोजित हुई थी। संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा प्रभारी दुष्यंत पटेल एवं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया के मार्गदर्शन में सिलवासा शहर भाजपा अध्यक्ष शांतू पुजारी के अध्यक्षता में सिलवासा अटल भवन में जिला के सभी चुने हुए जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई थी। इस दौरान विकास उत्सव के तहत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस बैठक में प्रदेश भाजपा महामंत्री सुनील पाटिल एवं प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष जीतू माढा सहित प्रदेश एवं जिला भाजपा के पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

बिहार में मतदाता अधिकार यात्रा के दौरान हुआ हादसा, प्राथमिकी हुई दर्ज

पटना (एजेंसी)। बिहार के नवादा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की मतदाता अधिकार यात्रा के दौरान एक सड़क दुर्घटना में पुलिसकर्मी घायल हुआ। 19 अगस्त को हुई घटना में, काफिले में शामिल एक कार ने एक पुलिस कांस्टेबल महेश कुमार को टक्कर मार दी, जिससे उनके पैर में फ्रैक्चर हो गया। नवादा के पुलिस अधीक्षक अभिनव धीमान के मुताबिक, मामले में वाहन के ड्राइवर पर प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की गई है। हालांकि, ड्राइवर का नाम और अन्य जानकारी अभी तक सार्वजनिक नहीं की गई है। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें घायल पुलिसकर्मी को लंगड़ाते हुए देखा जा सकता है। वीडियो में राहुल गांधी भी दिखाते हैं जो घायल कांस्टेबल को पानी की बोतल देकर उनकी चोट के बारे में पूछते हैं। इस घटना को लेकर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधा है। बीजेपी के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कांग्रेस के मार्च को कुचल जनता यात्रा कहा। नवादा के सांसद और बीजेपी नेता विवेक ठाकुर ने पोस्ट कर कहा, असंवेदनशीलता की पराकाष्ठा देखिए, जिस पुलिसकर्मी पर गाड़ी चढ़ी, उस पुलिसकर्मी को किस प्रकार फेंक कर पानी की बोतल दे रहे हैं। उन्होंने कहा, राहुल गांधी जी, घमंड रावण का भी नहीं रहा था.!

खूंखार कुत्तों ने किया हमला, बाड़े में बंधी एक दर्जन से अधिक बकरियों की मौके पर ही मौत

सीकर(एजेंसी)। राजस्थान के सीकर जिले के खाचरियावास गांव में कुत्तों का आतंक बढ़ रहा है। गांव में कुत्तों ने एक ऐसी घटना को अंजाम दिया है जिससे पूरे इलाके में भय का माहौल है। दरअसल एक झुंड में आए खूंखार कुत्तों ने अचानक हमला किया और कुछ ही मिनटों में बाड़े में बंधे दर्जनभर बेजुबान पशु मारे गए। यह घटना पूर्व सरपंच संतोष सोलंकी के खेत की है, जहां देर रात दर्जनों आवारा कुत्तों ने बकरियों को मार दिया। अचानक हुए हमले में एक दर्जन से अधिक बकरियों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना से पशुपालक को लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। ग्रामीणों का कहना है कि यह कोई पहली घटना नहीं है। बीते तीन दिनों में यह चौथी घटना है। अब तक कुल 27 बकरियों मारी जा चुकी है। बार-बार हो रही इन घटनाओं के बावजूद प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि आवारा कुत्तों का आतंक बढ़ता जा रहा है। न केवल पशुधन असुरक्षित है, बल्कि आमजन भी भयभीत हैं। महिलाएं और बच्चे देर शाम घरों से बाहर निकलने से डरते हैं। इसके बावजूद प्रशासन इस गंभीर समस्या पर ध्यान नहीं दे रहा है। परेशान पशुपालकों का कहना है कि वे दिन-रात मेहनत कर अपने मवेशियों को पालते हैं, लेकिन आवारा कुत्तों के हमले से उनकी मेहनत पर पानी फिर जाता है। एक ओर आर्थिक नुकसान, दूसरी ओर जानवरों के प्रति लगाव से ग्रामीण गहरे सदमे में हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल आवारा कुत्तों को पकड़ने की मांग की है।

सीमा सुरक्षा बल ने पकड़ा एक कबूतर....पर्ची बंधी मिली

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के आरएस पुरा सेक्टर में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने एक कबूतर पकड़ा है। कबूतर के साथ एक पर्ची बंधी मिली, जिसपर आईईडी और जम्मू स्टेशन का जिक्र था। बीएसएफ ने इस कबूतर को जम्मू-कश्मीर पुलिस को सौंप दिया है। पुलिस ने बताया कि बीएसएफ द्वारा हैंड ओवर किए गए कबूतर के साथ बंधी पर्ची पर आईईडी और जम्मू रेलवे स्टेशन लिखा हुआ था। पुलिस ने कबूतर और संदेश को अपने कब्जे में लेकर मामले की गंभीरता लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच के बाद ही साफ हो पाएगा कि इस संदेश के पीछे कौन-सी मंशा और किसका हाथ है। फिलहाल पूरे मामले की गहन जांच जारी है।

एक ही परिवार के पांच सदस्य संदिग्ध परिस्थितियों में मृत मिले

हैदराबाद (एजेंसी)। हैदराबाद के मियापुर इलाके में चौंकाने वाली घटना में एक ही परिवार के पांच सदस्य संदिग्ध परिस्थितियों में मृत मिले। मृतकों की पहचान लक्ष्मैया (60), वेंकटम्मा (55), अनिल (32), कविता (24) और एक दो साल के बच्चे के रूप में हुई है। पुलिस को संदेह है कि यह आत्महत्या का मामला हो सकता है, हालांकि सटीक कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। पुलिस ने कहा, मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। स्थानीय लोगों के अनुसार, ये सभी कर्नाटक के गुलबर्गा जिले के सेदम मंडल के रंजोली के रहने वाले थे।

सेवेंथ डे स्कूल हत्याकांड को लेकर बाल आयोग ने पुलिस से मांगी पूरी घटना रिपोर्ट

अहमदाबाद (एजेंसी)। शहर के खोखरा इलाके में स्थित सेवेंथ डे स्कूल में हुई हत्या की घटना पर बाल आयोग ने पुलिस से रिपोर्ट मांगी है। बाल आयोग की अध्यक्षा धर्मिष्ठा गज्जर ने हत्या की घटना को गंभीरता से लेते हुए मामले पर संज्ञान लिया है। वे इस घटना के संबंध में गंभीरता से कार्रवाई चाहती हैं और पुलिस रिपोर्ट के माध्यम से एक नई रूपरेखा तैयार करेंगी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भविष्य में किसी अन्य स्कूल में ऐसी दुखद घटना न घटे। गुजरात राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने इस घटना को बेहद गंभीर और चिंताजनक बताया है। आयोग ने अहमदाबाद पुलिस और स्कूल प्रशासन से एक विस्तृत रिपोर्ट माँगी है, जिसमें घटना का पूरा घटनाक्रम और उसके कारणों की जानकारी देने को कहा गया है। स्कूल द्वारा उठाए गए कदमों, खासकर सुरक्षा और तत्काल प्रतिक्रिया में चूक के बारे में भी जानकारी देने को कहा गया है। पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई और आरोपी नाबालिग की जांच पर रिपोर्ट पेश करने को कहा गया है। बाल आयोग ने स्कूल में सुरक्षा व्यवस्था और शिक्षकों के प्रशिक्षण का ब्यौरा मांगा है। आयोग ने स्पष्ट किया कि इस रिपोर्ट के आधार पर राज्य के अन्य स्कूलों में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक सिफारिशें और नीतियाँ बनाई जाएँगी। आयोग अध्यक्षा ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य हमारी प्राथमिकता है। यह घटना स्कूलों में सुरक्षा के लचर इंतजाम और बच्चों की मानसिक स्थिति पर ध्यान न देने का नतीजा है।

जिताने की कोशिश करेंगे, इंडिया ब्लॉक के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार से केजरीवाल ने की मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार, सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश बी सुदर्शन रेड्डी से उनके दिल्ली स्थित आवास पर मुलाकात की। केजरीवाल ने कहा कि वह रेड्डी को इस हाई-प्रोफाइल चुनाव में जीत दिलाने की पूरी कोशिश करेंगे। केजरीवाल के साथ कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी और सैयद नसीर हुसैन, तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी भी मौजूद थे, जिन्होंने रेड्डी के साथ एक तस्वीर खिंचवाई। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री की रेड्डी से मुलाकात विपक्षी उम्मीदवार के रूप में सत्तारूढ़ एनडीए द्वारा उपराष्ट्रपति पद के लिए उतारे गए सी.पी. राधाकृष्णन के खिलाफ होने वाली है। यह मुलाकात उनकी पार्टी के महागठबंधन से बाहर होने के कुछ महीने बाद हुई है।

यह बैठक आप द्वारा रेड्डी को समर्थन देने की घोषणा के ठीक दो दिन बाद हुई। केजरीवाल ने बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कहा किजस्टिस रेड्डी, जो विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार हैं, क्उनका समर्थन करती है। हमने देश के मौजूदा हालात पर चर्चा की। अन्य विपक्षी दलों के नेता भी आए। हमने चुनावी रणनीतियों पर भी चर्चा की। हम जस्टिस रेड्डी को जिताने की कोशिश करेंगे। आप प्रमुख ने कहा कि यह चुनाव गुप्त मतदान द्वारा होता है। इसमें कोई व्हिप नहीं होता, इसलिए मैं सभी दलों से कहना चाहता हूँ कि एक न्यायाधीश के रूप में उनका करियर प्रभावशाली रहा है। जब उन्होंने बिना किसी डर के बड़े फैसले लिए, तो ऐसे व्यक्ति से आसन का सम्मान बढ़ेगा। इसलिए मैं कहूँगा कि वह देश के उम्मीदवार हैं।

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश ने अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद भी दिया। रेड्डी ने कहा कल अरविंद केजरीवाल ने नामांकन के समय मेरी उम्मीदवारी का समर्थन करने के लिए संजय सिंह को भेजा था। मैं उनका आभारी हूँ। मैं यहाँ मेरी उम्मीदवारी का समर्थन करने के लिए उनके आभार व्यक्त करने आया हूँ। इंडिया ब्लॉक ने मंगलवार को आधिकारिक तौर पर रेड्डी को 9 सितंबर को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए अपना उम्मीदवार घोषित किया। यह घोषणा करते हुए, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि आगामी उपराष्ट्रपति चुनाव एक वैचारिक लड़ाई है।

भगवान भैरव ने कुत्तों को बचाने दिल्ली जाने का दिया था आदेश

-सीएम रेखा पर हमला करने वाले ने पुलिस पूछताछ में किया खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता पर हमला करने वाला राजेश खिमजी ने पुलिस पूछताछ में खुलासा किया है। पुलिस के सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि राजेश खिमजी शिवलिंग की पूजा करता है। उसने पुलिस को बताया कि जब कुत्तों को लेकर सुप्रीम कोर्ट का आदेश आया तो उसे सपने में शिवलिंग में भगवान शिव के भैरव स्वरूप के दर्शन हुए। भैरव स्वरूप में आए कुत्ते ने उसे दिल्ली जाकर अपनी बात रखने के लिए कहा। इसके बाद राजेश सोमवार को उज्जैन पहुंचा। वहां से भी उसे दिल्ली जाने का आदेश भैरव स्वरूप में आए कुत्ते ने दिया फिर बिना टिकट के ही राजेश खिमजी ट्रेन से नई दिल्ली पहुंच गया।

नई दिल्ली स्टेशन पहुंचने पर राजेश खिमजी ने किसी शख्स से सीएम रेखा गुप्ता के घर का पता पूछा। इसके बाद राजेश खिमजी मेट्रो से सीएम रेखा के निजी आवास जाने के लिए निकल गया, लेकिन आरोपी गलत मेट्रो स्टेशन पर उतर गया। इसके बाद राजेश राहगीरों से पता पूछकर सीएम के निजी आवास पर रिक्शा से पहुंचा। रिक्शा वाले को राजेश ने 50 रुपए दिए। आरोपी ने बताया कि उसने सीएम से कुत्तों को दिल्ली से बाहर नहीं करने की अपील की। आरोपी राजेश ने पुलिस को बताया कि सीएम रेखा ने उसकी बात नहीं सुनी उसे अनसुनी कर दी, जिसके बाद उसे गुस्सा आ गया और उसने सीएम पर हमला कर दिया। वह शाम की ट्रेन से वापस गुजरात जाने वाला था। हालांकि पुलिस ये भी पता कर रही है कि आखिरकार राजेश के बयान में कितनी सच्चाई है। कहीं ऐसा तो नहीं कि वह पुलिस की जांच को भटकाने के लिए ऐसा बोल रहा है। फिलहाल आरोपी राजेश पुलिस हिरासत में है।

अमित शाह और राजनाथ सिंह को मिली ये अहम जिम्मेदारी... विजन 2047 को लेकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र की मोदी सरकार ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में आर्थिक और सामाजिक क्षेत्रों में सुधारों के सुझाव देने के लिए दो नए अनौपचारिक मंत्री समूह गठित किए हैं। शाह को आर्थिक सेक्टर की जबाबदारी दी गई है।

इस समूह में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल सहित 13 सदस्य हैं, जबकि रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव इस समूह के संयोजक बने हैं। यह समूह वित्त, उद्योग, वाणिज्य अवसंरचना, रसद, संसाधन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, और शासन सहित प्रौद्योगिकी और आर्थिक क्षेत्रों में विधायी और नीतिगत सुधार एजेंडा तैयार करने पर ध्यान केंद्रित करेगा।

वहीं, सामाजिक कल्याण और सुरक्षा क्षेत्रों पर गठित दूसरे 18-सदस्यीय समूह का नेतृत्व रक्षा मंत्री सिंह करने वाले है। यह समूह शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, रक्षा, कौशल विकास, सामाजिक कल्याण, आवास, श्रम, जन स्वास्थ्य आदि क्षेत्रों में सुधारों की संभावनाओं पर विचार-विमर्श करेगा। इस समूह में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और श्रम एवं खेल मंत्री मनसुख मंडाविया को संयोजक बनाया गया है।

इन समूहों का गठन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वतंत्रता दिवस के संबोधन के बाद हुआ है, जहां उन्होंने अपनी स्पीच में अगली पीढ़ी के सुधारों की आवश्यकता पर जोर देकर एक टास्क फोर्स के गठन की घोषणा की थी। पीएम मोदी ने कहा था कि मौजूदा नियमों, कानूनों, नीतियों और प्रक्रियाओं को 21वीं सदी के अनुसार वैश्विक परिवेश के अनुकूल और 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के दृष्टिकोण के अनुरूप नए सिरे से तैयार किया जाना चाहिए।

प्रशांत किशोर ने बताया 10-15 साल में संघ, मोदी और योगी का भविष्य... धीरे-धीरे कट्टर होता जाएगा बीजेपी नेतृत्व

15 साल बाद आपकों मोदी जी का हिंदुत्व नरम लगेगा

पटना (एजेंसी)। बिहार की विधानसभा चुनाव के नजदीक आते ही राजनीतिक दलों ने मतदाताओं को लुभाने की कोशिशें तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में जन सुराज पार्टी प्रमुख और पूर्व रणनीतिकार प्रशांत किशोर भी पूरे बिहार में प्रचार कर रहे हैं। लगभग 20 प्रतिशत मुस्लिम आबादी वाले राज्य में, राजनीतिक दल समुदाय को लुभाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। अब वीडियो वायरल हुआ है जिसमें प्रशांत किशोर लालकृष्ण आडवाणी, नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ की तुलना करके मुसलमानों को भाजपा के खिलाफ वोट देने के लिए प्रेरित करते दिख रहे हैं।

वीडियो में सुना जा सकता हैं कि पीके ने कहा कि मैं यहाँ बैठे आप सभी से आडवाणी और मोदी में से किसी एक को चुनने के लिए कहूँगा। आप सब आडवाणी को चुनने वाले है। आडवाणी चाहे कितने भी खतरनाक क्यों न हों, मोदी उससे भी ज्यादा खतरनाकहैं। लिखकर रखे 10 साल बाद, जब मैं आपसे फिर मिलूँगा, तब मैं आपसे फिर पूछूँगा कि कौन बेहतर है योगी या मोदी? और आप लोग ये कहने वाले हैं कि मोदी फिर भी बर्दाश्त करने लायक थे, लेकिन यह योगी असहनीय है। पीके ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) देश को दक्षिणपंथी बनाने के लिए काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि आप समझ नहीं रहे कि आरएसएस (संघ) क्या कर रहा है। संघ धीरे-धीरे केंद्रीय विचारधारा को दक्षिणपंथ की ओर मोड़ रहा है, आपके लिए नहीं, बल्कि हिंदुओं के लिए।

प्रशांत किशोर ने कहा कि आप जिस बयान की बात कर रहे हैं, उसके बारे में मैंने लोगों को भाजपा नेतृत्व के विकास को समझाने की कोशिश की थी। पहले अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी थे। वाजपेयी को नरम हिंदुत्व का प्रतीक माना जाता था और आडवाणी को कट्टर हिंदूवादी नेता माना जाता है। आज अगर आप आडवाणी और मोदी जी की तुलना करें, जो लोग आडवाणी जी को कट्टर मानते थे, आज उन्हें मोदी जी की तुलना में नरम पाएंगे। इसलिए, मैंने कहा कि आने वाले समय में भाजपा नेतृत्व का पथ धीरे-धीरे कट्टर होता जाएगा। 10-15 साल बाद एक समय ऐसा आएगा कि भाजपा का नेतृत्व किसी कट्टरपंथी के हाथ में होगा, जिसके सामने मोदी जी का हिंदुत्व नरम लगेगा। पूर्व चुनावी रणनीतिकार पीके ने कहा कि संघ ने पहले वाजपेयी को आगे रखा और जब हिंदुओं ने वाजपेयी को स्वीकार किया, तब उन्होंने आडवाणी को आगे किया। जब आडवाणी को स्वीकृति मिल गई, तब उन्होंने मोदी को आगे किया और जब हिंदू समाज मोदी को स्वीकार कर रहा है, तब संघ आने वाले सालों में योगी को आगे लाने की योजना बना रहा है।

अगर गिरफ्तार किया व्यक्ति बरी होता है तो फिर जेल भेजने वाले पीएम-सीएम को भी सजा दी जाए : सिसोदिया

नई दिल्ली। गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तार करीब 30 दिन हिरासत में रखे गए प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों ने यदि खुद कुर्सी नहीं छोड़ी तो उन्हें पद से हटा दिया जाएगा। ऐसे प्रावधान करते हुए तीन विधेयक बुधवार को लोकसभा में पेश किए गए, जिन्हें सदन ने संसद की संयुक्त समिति (जेपीसी) को भेजने का फैसला किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक माना जा रहा है कि जिस तरह दिल्ली के सीएम रहते हुए अरविंद केजरीवाल ने जेल में रहकर भी पद नहीं छोड़ा, भविष्य में ऐसे मामलों को रोकने के लिए यह कानून लाया जा रहा है। इस बीच केजरीवाल के डिप्टी सीएम रहे मनीष सिसोदिया ने इस विधेयक में यह भी जोड़ने की बात कही है कि यदि गिरफ्तार किया गया मंत्री या मुख्यमंत्री निर्दोष साबित हो तो उसे जेल भेजने वाले सीएम या पीएम को सजा दी जाए। मनीष सिसोदिया ने इस बिल को लेकर एक लेख साझा करते हुए एक्स पर लिखा- इस कानून में यह व्यवस्था भी होनी चाहिए कि अगर कोई मंत्री या मुख्यमंत्री झूठे आरोपों में जेल भेजा जाता है और बाद में वह बरी हो जाता है तो गिरफ्तार करने वाले अधिकारी, एजेंसी के मुखिया और सरकार के मुखिया (पीएम या सीएम जो भी उस समय रहे हों) को उतने साल जेल भेजा जाए जितने साल की सजा वाले झूठे आरोप उस वक्त लगाए गए थे। सिसोदिया ने कहा कि सिर्फ मंत्रियों या नेताओं के लिए क्यों? किसी भी आम आम आदमी को झूठे केस में जेल भेजने वालों को भी जेल भेजने की व्यवस्था होनी चाहिए।

शाह से कपिल सिब्बल ने पूछा सवाल...

आपके कोई मंत्री के खिलाफ कभी कोई एफआईआर हुई?

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा लोकसभा में प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तार मंत्रियों को हटाने संबंधी तीन विधेयक पेश करने पर बड़ा बयान दिया है। सांसद सिब्बल ने कहा कि लोकतंत्र को बर्बाद करना इनका मूल मकसद है। सुप्रीम के वरिष्ठ वकील सिब्बल ने कहा कि इस बिल के लागू होने से मानक अधिकारों को वे छीनना चाहते हैं। लोकतंत्र को बर्बाद करना इनका मकसद है। बिहार में इन्होंने किस तरह से एसआईआर लागू किया और किस तरह से मतदाता सूची बन रही है..इससे मतदाता सूची को दीमक लग जाएगा। तब चुनाव होगा कैसे?

सिब्बल ने कहा कि आखिर इनकी मंशा क्या है? आपको पता है कि अगर किसी पर एफआईआर होती है, तब सीधे गिरफ्तार किया जाता है और ये जो नया कानून है अगर किसी को हिरासत में ले लिया जाए, तब सालों लग जाते हैं बेल लेने में।

सिब्बल ने आप नेताओं झारखंड के सीएम का जिक्र कर कहा कि केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, हेमंत सोरेन ये सब उदाहरण हैं। तब मैं गृह मंत्री शाह से पूछना चाहता हूं कि आपके कोई केंद्र के मंत्री के खिलाफ कभी कोई एफआईआर हुई? और जिस प्रदेश में आप सरकारें चला रहे हैं वहां पर किसी मंत्री के खिलाफ एफआईआर हुई ?ज.आप ये न समझना कि जनता समझती नहीं है।

बता दें, केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025 पेश किया। इस बिल को लेकर लोकसभा में जमकर हंगामा हुआ। हंगामे के बाद विधेयक को एक संयुक्त संसदीय समिति के पास भेज दिया गया। संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025 में प्रधानमंत्री, मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों को गंभीर अपराध के आरोपों में पद से हटाने का प्रावधान है।

विधेयक में कहा गया है कि कोई भी मंत्री जो किसी गंभीर अपराध के लिए 30 दिनों तक जेल में रहा है, उस मंत्री को अपना पद खोना होगा। विधेयक के अनुसार, ÷किसी मंत्री को जो तीन दिनों तक जेल में रहा हो और इसतरह के आरोप में गिरफ्तार हुआ हो जिसकी सजा पांच साल या उससे अधिक है, उस मंत्री को अपने पद से इस्तीफा देना होगा। संबंधित मंत्री को 31वें दिन तक मुख्यमंत्री की सलाह पर राष्ट्रपति द्वारा पद से हटा दिया जाएगा। यदि इसतरह के मंत्री को हटाने के लिए मुख्यमंत्री की सलाह 31वें दिन तक राष्ट्रपति को नहीं दी जाती है, तब वह उसके बाद आने वाले दिन से मंत्री नहीं रहेगा।

एआई पर ज्यादा निर्भरता हो सकता है नुकसानदायक: श्रीधर वेम्बू

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में जोहो कॉर्पोरेशन के को-फाउंडर और चीफ साइंटिस्ट श्रीधर वेम्बू ने अपने विचार साझा किए। श्रीधर वेम्बू ने कहा कि एआई न केवल सीखने की प्रक्रिया को तेज करता है बल्कि काम को सरल बनाता है और प्रोडक्ट व सर्विस को बेहतर करने में मदद करता है। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि एआई पर ज्यादा निर्भरता, उसका गलत इस्तेमाल या बिना निगरानी के अपनाना नुकसानदायक साबित हो सकता है। इससे प्रोडक्शन प्रभावित हो सकता है और नई समस्याएं पैदा हो सकती हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जोहो में प्रोग्रामरों को नई चीजें सीखने और समस्याओं को हल करने के लिए एआई का इस्तेमाल करने दिया जाता है, लेकिन बड़े और महत्वपूर्ण निर्णय अब भी इंसानों के हाथ में ही हैं। वेम्बू का मानना है कि एआई से मिले जवाबों को सीधे कॉपी-पेस्ट करना प्रोफेशनली उचित नहीं है। उनका कहना है कि ऐसे जवाबों को पहले अन्य स्रोतों से जांचना और सत्यापित करना चाहिए। यदि कोई व्यक्ति एआई के उत्तरों को अपना बताकर पेश करता है, तो इससे भरोसा टूट सकता है।

उन्होंने बताया कि वे एक अलग तरीका अपनाते हैं, जिसमें कई एआई सिस्टम्स को एक-दूसरे के जवाबों पर बहस और रिव्यू करने के लिए कहा जाता है। इससे समझ में गहराई आती है और गलतियां पकड़ने में आसानी होती है। एआई को लेकर वेम्बू का स्पष्ट संदेश है कि यह तकनीक पूरी तरह से इंसानों की जगह नहीं ले सकती। इंसानी निगरानी और विवेक के साथ इसका इस्तेमाल जरूरी है। तभी इसके फायदे बिजनेस और दफ्तरों में प्रभावी रूप से मिल सकते हैं और जोखिम भी कम होगा। वेम्बू ने बताया कि वे खुद दिन में दो से तीन बार एआई चैट टूल्स का इस्तेमाल करते हैं। उनके मोबाइल में टॉप पांच एआई ऐप्स इंस्टॉल हैं। उन्होंने कहा कि एआई ने उनके वेब सर्च को करीब 80 प्रतिशत तक कम कर दिया है, जिससे नई जानकारी सीखना तेज और आसान हो गया है।

श्रीधर वेम्बू का मानना है कि एआई एक शक्तिशाली उपकरण है, लेकिन इसका उपयोग जिम्मेदारी के साथ करना चाहिए। बिना सोचे-समझे इसका सहारा लेना नुकसानदायक हो सकता है, जबकि सही तरीके से अपनाने पर यह कामकाज को अधिक कुशल और प्रभावी बना सकता है। बता दें कि आजकल हर क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। जानकारी खोजने से लेकर मेल लिखने और कंटेंट क्रिएशन तक, लोग सबसे पहले एआई का सहारा ले रहे हैं। लेकिन कई बार लोग एआई के जवाबों को बिना जांचे-परखे सीधे कॉपी-पेस्ट कर देते हैं, जोकि सही नहीं माना जाता।

चीन की मीठी-मीठी बातों में नहीं फंसेगा भारत... वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सेना की तैनाती हमेशा

नई दिल्ली(एजेंसी)। चीन के साथ भारत की कूटनीतिक और सैन्य बातचीत के बावजूद, भारत को वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर हमेशा सतर्क रहने की ज़रूरत है। इसका कारण चीन की सेना (पीएलए) ने सीमा पर बड़े पैमाने पर अपने सैन्य इंफ्रास्ट्रक्चर को मज़बूत किया है, जिससे वे बहुत तेज़ी से अपनी सेना को तैनात कर सकते हैं।

क्यों भारतीय सेना एलएसी पर अपनी सतर्कता कम नहीं कर सकती-

दरअसल पिछले पाँच सालों में, चीन ने पूर्वी लद्दाख से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक एलएससी के करीब सड़कें, पुल, सुरंगें और ठिकाने बना लिए हैं। इस मज़बूत नेटवर्क की मदद से पीएलए के सैनिक 100 से 150 किलोमीटर की दूरी भी सिर्फ 2-3 घंटों में तय कर सकते हैं, जबकि भारतीय सेना के पास ऐसी सुविधा नहीं है।

मई-जून 2020 में पूर्वी लद्दाख में हुई झड़पों के बाद से दोनों सेनाओं के बीच विश्वास की कमी बनी हुई है। उस घटना के बाद से, 3,488 किलोमीटर लंबी एलएसी पर भारी मात्रा में हथियार और सेना की तैनाती की गई है। भले ही पीएलए की कुछ ब्रिगेड एलएसी से 100 किलोमीटर पीछे हट गई हैं, लेकिन उनकी बॉर्डर डिफेंस रेजिमेंट अभी भी फॉरवर्ड पोस्ट पर तैनात हैं। इन ब्रिगेड में लगभग 4,500 से 5,000 सैनिक, टैंक, बख्तरबंद गाड़ियाँ, और मिसाइल सिस्टम जैसे आधुनिक हथियार शामिल हैं।

सितंबर 2022 में, पूर्वी लद्दाख में कुछ इलाकों में नो पेट्रोलिंग बफर ज़ोन बनाए गए थे। इन क्षेत्रों में भारतीय सेना पहले गश्त करती थी, लेकिन अब वे ऐसा नहीं कर सकती, जो भारत के लिए नुकसानदेह है। ये ज़ोन 3 से 10 किलोमीटर तक फैले हैं और भारत इन्हें अपना क्षेत्र मानता है। भारतीय सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि भले ही तनाव कम करने के लिए बातचीत चल रही है, लेकिन पीएलए की तैयारियों को देखते हुए भारत को अपनी सतर्कता कम नहीं करनी चाहिए।

सच्चाई ये है कि पीएलए के कुछ कंबाइंड आर्म्स ब्रिगेड (सीएबी) पिछले कुछ महीनों में एलएसी से करीब 100 किलो मीटर पीछे जरूर हटे हैं, लेकिन अभी भी कई फॉरवर्ड पोस्ट पर तैनात हैं, जिसमें उनकी बॉर्डर डिफेंस रेजिमेंट भी शामिल हैं। प्रत्येक सीएबी में टैंकों के साथ करीब 4,500-5,000 जवान, बख्तरबंद वाहन, आर्टिलरी के अलावा अन्य वेपन सिस्टम के साथ ही सतह से हवा में मार करने वाले मिसाइल सिस्टम भी शामिल रहते हैं। एलएसी पर जवानों की तैनाती कम करने और उनकी वापसी के लिए सभी अतिरिक्त टुकड़ियों को उनके शांति काल वाले स्थायी ठिकानों पर वापसी करानी होगी। फिलहाल दोनों देश पूर्वी लद्दाख से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक फैली वास्तविक नियंत्रण रेखा पर शांति कायम रखने के लिए राजनयिक और सैन्य स्तरों पर बातचीत के लिए मौजूदा बॉर्डर मैनेजमेंट सिस्टम का इस्तेमाल कर रहे हैं। इस इरादे से दोनों ओर से अब एलएसी के पूर्वी (सिक्किम, अरुणाचल) और मध्य (उत्तराखंड, हिमाचल) इलाकों में जेनरल लेवल मैकेनिज्म स्थापित करने का भी फैसला लिया है, जो कि पश्चिम (लद्दाख) में भारत के 14वी कोर कमांडर और साउथ शिनजियांग डिस्ट्रिक्ट चीफ के मौजूदा वार्ता तंत्र के अलावा होगा।

दीव के श्री हाटकेश्वर महादेव मंदिर में शिवरात्रि का पर्व धूमधाम से मनाया गया

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 21 अगस्त। श्री समस्त ब्रह्म समाज दीव द्वारा संचालित लगभग 400 वर्षों से भी अधिक पुराना श्री हाटकेश्वर महादेव मंदिर एक प्राचीन मंदिर है। यहाँ श्रावण मास के प्रत्येक दिन यजमानों द्वारा दीपमाला चढ़ाई जाती है और प्रत्येक सोमवार को अनेक श्रृंगार एवं महापूजा की जाती हैं। श्री हाटकेश्वर महादेव मंदिर में श्री दीव जिला ब्रह्म समाज द्वारा श्रावण मास की शिवरात्रि को बड़े दिन के रूप में मनाया जाता है, जिसमें दोपहर 3 बजे मंदिर में स्थापित देवताओं की पूजा की जाती है और वैदिक मंत्रों के साथ हाटकेश्वर महादेव की पूजा की जाती है। तत्पश्चात शाम 5 बजे श्री हाटकेश्वर महादेव के महाभिषेक में महादेवजी पर गंगाजल, श्रीफल जल, भांग, इत्र, गन्ने का रस, कुएँ का जल, समुद्र का जल, गुलाब जल, भस्म, केसर एवं पंचामृत जैसे 11 प्रकार के द्रव्यों से अभिषेक किया गया। इस अभिषेक को मंदिर के आचार्य गोर गंगाधर भट्ट तथा ब्रह्म समाज के संस्कारकर्मी भूदेवो के वेदोक्त मंत्र उचारण द्वारा मंदिर के दानदाताओं तथा समाज के परिजनों एवं सभी दर्शनार्थियों द्वारा ढोल-नगाड़ों एवं शरणाई के संगीत के साथ संपन्न किया गया। रियान कुमार अल्पेश सोलंकी दीव लंदन की इच्छा के उपलक्ष्य में धी की पूजा की गई। तत्पश्चात, शाम 6 बजे बहनों ने शिव आराधना भजन प्रस्तुत किया, शाम 7 बजे महादेवजी का श्रृंगार, महादीपमाला, महाभोग अर्पित किया गया। तत्पश्चात शाम 7:15 बजे महाआरती की गई और उसके बाद मंत्रों और पुष्प पंखुड़ियों द्वारा महादेवजी की पूजा की गई, जिसमें मंदिर के दानदाताओं और सभी दर्शनार्थियों की कीर्ति और प्रतिष्ठा बढ़ाने की प्रार्थना की गई और ब्रह्म समाज और मंत्र पुष्प पंखुड़ियों को महादेवजी को अर्पित किया गया। यजमान ध्रुवीण कुमार अरविंद जेठवा और दिशांतकुमार रमेश मेंशन द्वारा पूजा की गई। अंत में सभी भक्तों ने ओम नमः शिवाय, हर हर महादेव के जाप से मंदिर को गुंजायमान कर दिया। इसके साथ ही, सभी भक्तों ने पवित्र श्रावण मास की शुभकामनाएँ दीं और फराली महाभोग का प्रसाद ग्रहण कर व्रत तोड़ा। यह सम्पूर्ण कार्यक्रम ब्रह्म समाज एवं मंदिर व्यवस्थापक पुजारी रोहित आचार्य प्रभु एवं तुषार जोशी के सानिध्य में सम्पन्न हुआ। ब्रह्म समाज की ओर से सभी भक्तों एवं मीडियाकर्मियों का आभार भी व्यक्त किया गया।

सिलवासा से गुम हुआ 23 वर्षीय युवक

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 21 अगस्त। सिलवासा के मसाट विस्तार से एक 23 वर्षीय युवक के गुम होने का मामला सिलवासा पुलिस थाने में दर्ज कराया गया है। पुलिस द्वारा जारी प्रेसनोट में बताया गया है कि शिकायतकर्ता महावीर प्रसाद दाताराम रतुडी ने 16 अगस्त को सिलवासा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि उसका बडा लडका शुभम महावीर रतुडी (23 वर्ष) बिते 12 अगस्त को सुबह 8 बजे कंपनी में नौकरी करने जाने की बात कहकर घर से निकला था और वापस नहीं आया। साथ ही वह अंकुर इंजीनियरिंग मसाट में खोजबीन किया तो पता चला कि वह काम पर आया ही नहीं है। गुम हुए युवक का मोबाइल नंबर भी बंद बता रहा है। उसके दोस्तों एवं आस-पास के विस्तार में सगे-संबंधियों तथा मूल वतन पता करने पर भी उसकी कोई जानकारी नहीं मिली। पुलिस ने इस संबंध में गुमशुदगी का मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू की है। गुम हुआ युवक हाल में मसाट पाडरी फलिया

गणेशभाई की चॉल और मूल निवासी ग्राम पीनगढी, कांडाखाल, थाना जखोली जिला रुद्रप्रयाग, उत्तराखंड का निवासी बताया गया है।

हमले के बाद दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता को जेड सिक्योरिटी

नई दिल्ली(ईएमएस)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को केंद्र सरकार ने जेड कैटेगरी की वीआईपी सुरक्षा प्रदान की है। सीएम सिक्योरिटी में 22 से 25 हथियारबंद जवान 24 घंटे तैनात रहेंगे। गुप्ता और उनके आधिकारिक आवास की सुरक्षा अर्धसैनिक बल का वीआईपी सिक्योरिटी ग्रुप करेगा। यह ग्रुप केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और सोनिया-राहुल और प्रियंका गांधी की सुरक्षा में भी तैनात है। दरअसल, सीएम रेखा पर 20 अगस्त की सुबह करीब 8.15 बजे जनसुनवाई के दौरान एक शख्स ने हमला कर दिया। आरोपी गुजरात के राजकोट का रहने वाला राजेशभाई खीमजी है, जिसे तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया था। आरोपी को बुधवार रात दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के द्वारका में एक मजिस्ट्रेट के घर पर पेश किया गया। इसके बाद उसे 5 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। राजेश पर हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया गया है। गुजरात में भी राजेश पर चाकूबाजी समेत 5 केस पहले से दर्ज हैं। हालांकि, गिरफ्तारी के दौरान उसके पास कोई हथियार नहीं मिला। इंटेलिजेंस ब्यूरो और दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल उससे पूछताछ कर रही है। जनसुनवाई में शिकायतकर्ता बनकर पहुंचे राजेश ने सीएम को कागज देते समय उसने हमला किया। हमले में चोटिल सीएम रेखा के हाथ, कंधे और सिर पर चोटें आईं हैं। फिलहाल वे घर से काम कर रही हैं।

छोटे और मझोले शहरों में बैंकिंग एवं वित्तीय सेवा क्षेत्र में नौकरियां उत्पन्न होंगीः रिपोर्ट

- वित्त वर्ष 2025-26 तक नियुक्तियों में 8.7 और 2030 तक 10 प्रतिशत तक की हो सकती है वृद्धि

मुंबई ।

देश के बैंकिंग, वित्तीय सेवा और बीमा (बीएफएसआई) क्षेत्र में आने वाले वर्षों में मजबूत वृद्धि की उम्मीद है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 तक नियुक्तियों में 8.7 प्रतिशत और 2030 तक 10 प्रतिशत तक की वृद्धि हो सकती है, जिससे लगभग 2.5 लाख स्थायी नौकरियां उत्पन्न होंगी। यह वृद्धि खासतौर पर छोटे और मझोले शहरों में बढ़ती मांग के कारण हो रही है, जो परंपरागत रूप से महानगरों पर केंद्रित भर्ती प्रक्रिया में बदलाव का संकेत देती है। कार्यबल समाधान प्रदाता एडेको इंडिया की रिपोर्ट में कहा गया है कि बीएफएसआई क्षेत्र में अब लगभग 48 प्रतिशत नई नौकरियां छोटे शहरों में पैदा हो रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही में भर्ती 27 प्रतिशत बढ़ी है, खासकर उन उम्मीदवारों के लिए जो स्थानीय भाषा में दक्ष और बिक्री अनुभव रखते हैं। ऐसे उम्मीदवारों को चयन के मौके 2.5 गुना अधिक और वेतन 10-15 प्रतिशत तक ज्यादा मिल सकता है। बैंकों ने इस साल बिक्री अधिकारी, डिजिटल उत्पाद प्रबंधक और ऋण जोखिम विश्लेषक जैसी भूमिकाओं में भर्ती बढ़ा दी है। वहीं, वित्त एवं बीमा कंपनियां वित्तीय योजनाकार, निवेश सलाहकार, डिजिटल अंडरराइटर और दावा स्वचालन विशेषज्ञों की मांग तेजी से कर रही हैं। इंदौर, कोयम्बटूर, नागपुर और गुवाहाटी जैसे छोटे शहरों में नियुक्तियों में 15-18 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि सूरत, जयपुर, लखनऊ और भुवनेश्वर में यह वृद्धि 11-13 प्रतिशत के बीच रही। एडेको इंडिया के निदेशक कार्तिकेयन केसवन के अनुसार, बीएफएसआई क्षेत्र में डिजिटल

निवेशकों के बढ़ने और छोटे शहरों की ओर झुकाव के कारण नियुक्ति का परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। म्यूचुअल फंड और वेल्थ मैनेजमेंट कंपनियां इस वृद्धि की अगुआई कर रही हैं। यह बदलाव बीएफएसआई क्षेत्र में करियर बनाने वालों के लिए नए अवसर लेकर आया है।

सेबी की रिपोर्टः पिछले वर्ष प्रवर्तकों के डीमैट खातों में जब्ती की संख्या बढ़ी

बीएसई ने कुल 457 कंपनियों के प्रवर्तकों के खाते फ्रीज किए

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की 2024-25 की सालाना रिपोर्ट के अनुसार पिछले वर्ष गैर-अनुपालन के कारण स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा प्रवर्तकों के डीमैट खातों को फ्रीज करने की संख्या में वृद्धि हुई है। बीएसई ने कुल 457 कंपनियों के प्रवर्तकों के खाते फ्रीज किए हैं, जो कारोबार करने वाली कंपनियों के लगभग दसवें हिस्से से अधिक है। बीएसई में कुल 5,452 कंपनियां सूचीबद्ध हैं, जिनमें से 4,463 ने मार्च 2025 तक सक्रिय रूप से कारोबार किया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में 2,720 सूचीबद्ध कंपनियां हैं, जिनमें से 73 कंपनियों के प्रवर्तकों के डीमैट खाते फ्रीज किए गए हैं। वहीं, मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया ने 263 सूचीबद्ध कंपनियों में से 36 के खाते फ्रीज किए हैं। ये आंकड़े पिछले साल की तुलना में अधिक हैं, हालांकि 2022-23 के मुकाबले कम हैं। सेबी ने गैर-अनुपालन की स्थिति में स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा उठाए जाने वाले दंडात्मक कदमों के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया

(एसओपी) जारी की है। इसके तहत पहले जुर्माना लगाया जाता है और चेतावनी दी जाती है, जबकि लगातार नियम उल्लंघन पर ही डीमैट खातों को फ्रीज किया जाता है। इसका उद्देश्य बेहतर अनुपालन सुनिश्चित करना और दंडात्मक कार्रवाई में पारदर्शिता लाना है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी के अनुसार डीमैट खाते फ्रीज करना अंतिम कार्रवाई होती है, जो बताती है कि प्रवर्तक पहले कई बार चेतावनी मिलने के बाद भी नियमों का उल्लंघन करते रहे हैं। यह स्थिति बताती है कि नियामकीय चूक के शुरुआती मामलों में प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पाई। इस रिपोर्ट से स्पष्ट होता है कि भारत के शेयर बाजार में नियमों के पालन और निगरानी को और मजबूत करने की आवश्यकता है ताकि निवेशकों का भरोसा बना रहे।

रेलटेल को मिले 50 करोड़ के नए प्रोजेक्ट

- शेयर प्राइस 400 रुपए से भी नीचे, स्टॉक पर रखें नजर

नई दिल्ली ।

रेलवे मंत्रालय की नवरत्न कंपनी रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (रेलटेल) को हाल ही में दो महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट मिले हैं, जिनकी कुल कीमत लगभग 50.42 करोड़ है। ओडिशा सरकार के उच्च शिक्षा विभाग से कंपनी को 15.42 करोड़ का वेबसाइट डेवलपमेंट प्रोजेक्ट मिला है। इस प्रोजेक्ट के तहत विभाग के कॉलेजों के लिए बायलिंगुअल वेबसाइट्स डिजाइन और विकसित की जाएंगी। इस कार्य की समय सीमा 19 फरवरी 2026 निर्धारित की गई है। इसके अलावा, केरल स्टेट इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी मिशन ने रेलटेल को 34.99 करोड़ के कॉन्ट्रेक्ट के तहत राज्य के डेटा सेंटर्स के संचालन और रखरखाव का कार्य सौंपा है। यह प्रोजेक्ट पांच वर्षों तक चलेगा और इसे 18 अगस्त 2030 तक पूरा किया जाएगा। रेलटेल के शेयर आज 21 अगस्त 2025 को मामूली बढ़त के साथ 359.20 पर बंद हुए। कंपनी का मार्केट कैप 11,528 करोड़ से अधिक है और यह बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स का हिस्सा है। नए प्रोजेक्ट मिलने और मजबूत वित्तीय नतीजों के चलते निवेशकों की नजर रेलटेल पर बनी हुई है। कंपनी ने 28 जुलाई 2025 को पहली तिमाही वित्त वर्ष 26 के नतीजे घोषित किए, जिनमें ऑपरेटिंग इनकम 744 करोड़ रही, जो पिछले साल की समान तिमाही से 33 फीसदी अधिक है। कुल राजस्व 758 करोड़ पहुंच गया, जो 31 फीसदी की बढ़त दर्शाता है। कर पूर्व मुनाफा 89 करोड़ रहा, जिसमें 34 फीसदी की वृद्धि हुई है। वहीं, शुद्ध लाभ 66 करोड़ रहा, जो पिछले साल के 49 करोड़ से 35 फीसदी ज्यादा है। इन प्रोजेक्ट और वित्तीय प्रदर्शन के चलते रेलटेल के शेयरों पर निवेशकों की नजर बनी रहेगी।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री निवेश आकर्षित करने जापान, दक्षिण कोरिया की यात्रा पर

- यात्रा का मुख्य उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक, मोटर वाहन एवं खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रों में निवेश को आकर्षित करना

रायपुर ।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय गुरुवार को जापान और दक्षिण कोरिया की 10 दिवसीय औद्योगिक और निवेश प्रवर्धन यात्रा पर रवाना हो गए। यह मुख्यमंत्री बनने के बाद उनकी पहली विदेश यात्रा है। यात्रा का मुख्य उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक, मोटर वाहन एवं खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रों में निवेश को आकर्षित करना है। राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ रायपुर के स्वामी विवेकानंद हवाई अड्डे से दिल्ली पहुंचे साय वहां से जापान के लिए प्रस्थान करेंगे। जापान और दक्षिण कोरिया की ये यात्रा छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति के तहत उद्योगपतियों को राज्य में निवेश के लिए प्रोत्साहित करने का अवसर है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जापान के ओसाका में आयोजित होने वाले वर्ल्ड एक्सपो 2025 में वह भाग लेंगे। जहां छत्तीसगढ़ अपनी सांस्कृतिक धरोहर और विकास यात्रा का प्रदर्शन करेगा। इस प्रतिष्ठित आयोजन में मुख्यमंत्री साय को विशेष आमंत्रण भी मिला है। न्होंने बताया कि नई औद्योगिक नीति लागू होने के बाद से राज्य को अब तक 6.50 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले हैं, जिनमें से कई परियोजनाओं पर कार्य शुरू हो चुका है। इस निवेश से छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था और रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी। इस यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री जापान और दक्षिण कोरिया के उद्योग जगत से मिलकर छत्तीसगढ़ में व्यवसाय के लिए अनुकूल वातावरण और संभावनाओं पर चर्चा करेंगे। 31 अगस्त को साय अपने मातृभूमि लौटेंगे।

रियल मनी गेम्स बैन के खिलाफ गेमिंग इंडस्ट्री ने लगाई गुहार

- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से हस्तक्षेप की मांग

नई दिल्ली ।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को ऑनलाइन स्किल गेमिंग संगठनों ने एक संयुक्त पत्र लिखकर भारत में सभी प्रकार के` रियल मनी गेम्स (आरएमजी) पर प्रस्तावित पूर्ण प्रतिबंध के खिलाफ हस्तक्षेप की मांग की है। उद्योग ने चेतावनी दी है कि इस कदम से 400 से अधिक कंपनियां बंद हो सकती हैं और करीब 2 लाख से अधिक नौकरियां खतरे में पड़ सकती हैं। द ऑल इंडिया गेमिंग फेडरेशन (एआईजीएफ), द ई-गेमिंग फेडरेशन (ईजीएफ) और द फेडरेशन ऑफ इंडियन फैंटसी स्पोर्ट्स ने कहा है कि इस तरह का प्रतिबंध उद्योग के लिए 'सफाए की घंटी साबित होगा। उन्होंने गृह मंत्री से इस मसले पर बैठक का भी अनुरोध किया है। इन संगठनों का मानना है कि यदि वैध कंपनियां बंद होती हैं तो अवैध विदेशी जुआ संचालक और मटका नेटवर्क जैसे असुरक्षित और गैरकानूनी मंचों को बढ़ावा मिलेगा। इससे लाखों भारतीय उपयोगकर्ता असुरक्षित प्लेटफॉर्म की ओर मुड़ सकते हैं। भारत में वर्तमान में लगभग 50 करोड़ गेमर्स हैं और यह क्षेत्र 25,000 करोड़ रुपये से अधिक का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित कर चुका है। इस उद्योग की प्रमुख कंपनियों में ड्रीम11, जंगली गेम्स, मोबाइल प्रीमियर लीग, हेड डिजिटल वर्क्स और नजारा टेक्नोलॉजीज शामिल हैं। सरकार ने हाल ही में एक मसौदा विधेयक तैयार किया है, जिसमें

सभी ऑनलाइन मनी गेम्स से संबंधित लेनदेन को बैंकों और वित्तीय संस्थानों द्वारा प्रतिबंधित करने का प्रस्ताव है। उद्योग का कहना है कि इससे राज्य और केंद्र दोनों के कर राजस्व में कमी आएगी और डिजिटल अर्थव्यवस्था के प्रधानमंत्री मोदी के 1 लाख करोड़ डॉलर के लक्ष्य को भी ठेस पहुंचेगी। ऑनलाइन स्किल गेमिंग संगठनों का आग्रह है कि सरकार इस क्षेत्र को प्रतिबंधित करने के बजाय इसके नियमन और सुधार की दिशा में कदम उठाए।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख के बीच गुरुवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 18 पैसे की गिरावट के साथ ही 87.25 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह रुपया 4 पैसे मजबूत होकर 86.93 प्रति डॉलर

के स्तर पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 87.04 पर खुलने के बाद जल्दी ही 86.93 के शुरुआती उच्च स्तर तक पहुंच गया। यह पिछले बंद भाव 87.07 से 14 पैसे की बढ़त को दर्शाता है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है कि रूस और यूक्रेन के बीच शांति की उम्मीदों के चलते वैश्विक बाजारों में जोखिम उठाने की क्षमता बढ़ी है, जिससे रुपया मजबूती दिखा रहा है। वहीं, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति बताने वाला डॉलर सूचकांक 0.08 फीसदी बढ़कर 98.30 पर पहुंच गया।

CHANGE OF NAME

OLD NAME - MANGUBHAI CHIBA PATEL
NEW NAME: MANGUBHAI CHHIBUBHAI PATEL
ADDRESS :- 12/3, NANI KOLIWAD, KACHIGAM, NANI DAMAN, DAMAN- 396 210.

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत की संसदीय प्रणाली का औसत प्रदर्शन शर्म वाली बात है...

नीरज कुमार दुबे

दोनों सदनों में कामकाज की स्थिति वाकई काफी चिंताजनक रही। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के अनुसार, 419 तारांकित प्रश्न सूचीबद्ध थे, किंतु बार-बार होने वाले व्यवधानों के कारण मात्र 55 प्रश्नों के ही मौखिक उत्तर हो पाए।

भारतीय लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण मंच संसद जनता के प्रतिनिधियों को नीति और विधायी कार्यों पर गहन विमर्श का अवसर प्रदान करता है। लेकिन आज संपन्न मानसून सत्र इसका विपरीत चित्र प्रस्तुत करता है। हम आपको बता दें कि लगभग एक महीने तक चले इस सत्र में लोकसभा ने 12 और राज्यसभा ने 15 विधेयक पारित किए। कागजों पर यह भले उपलब्धि दिखती है, किंतु वास्तविकता यह है कि अधिकांश विधेयक बिना सार्थक चर्चा के शोर-शराबे और हंगामे के बीच पारित हुए। दोनों सदनों में कामकाज की स्थिति वाकई काफी चिंताजनक रही। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के अनुसार, 419 तारांकित प्रश्न सूचीबद्ध थे, किंतु बार-बार होने वाले व्यवधानों के कारण मात्र 55 प्रश्नों के ही मौखिक उत्तर हो पाए। साथ ही जहां सत्र की शुरूआत में 120 घंटे चर्चा का लक्ष्य रखा गया था, वहीं विपक्ष के निरंतर गतिरोध के चलते सदन केवल 37 घंटे ही चर्चा कर सका। इसी तरह राज्यसभा का प्रदर्शन भी निराशाजनक रहा। उपसभापति हरिवंश के अनुसार, सदन का कुल कामकाज मात्र 38.88 प्रतिशत ही हुआ और शून्यकाल तथा प्रश्नकाल एक बार भी सामान्य तरीके से संचालित नहीं हो सका। यह आंकड़े दशार्ते हैं कि संसदीय प्रणाली अपनी गुणवत्ता और प्रभावशीलता खोती जा रही है।

हम आपको याद दिला दें कि सत्र की शुरूआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह कहकर की थी कि सरकार हर मुद्दे पर चर्चा को तैयार है। बावजूद इसके, विपक्ष ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और ह्यऑपरेशन सिंदूरह्ल जैसे मुद्दों पर हंगामा करते हुए लगातार कार्यवाही ठप रखी। परिणामस्वरूप कई सांसद, जो अपने संसदीय क्षेत्र के मुद्दों को उठाने की तैयारी के साथ संसद पहुँचे थे, अपनी बात रखने से वंचित रह गए। यह न केवल सांसदों की भूमिका को कमतर करता है बल्कि जनता की आकांक्षाओं को भी ठेस पहुँचाता है।

देखा जाये तो संसद का मूल उद्देश्य है– कानून निर्माण पर व्यापक चर्चा और विमर्श। चर्चा से कानून के पक्ष-विपक्ष, उसके प्रभाव और संभावित खामियों पर प्रकाश पड़ता है। किंतु हंगामे के बीच जब विधेयक संक्षिप्त औपचारिकता के बाद पारित होते हैं, तो उनकी गुणवत्ता और पारदर्शिता दोनों प्रभावित होती हैं। यह न केवल विधायी प्रक्रिया की गंभीरता को कम करता है, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा को भी आहत करता है।

इसके अलावा, जिस तरह अन्य क्षेत्रों में नो वर्क नो पे का सिद्धांत लागू है, उसी तरह सांसदों पर भी यह नियम लागू होना चाहिए। यदि वह जानबूझकर हंगामे और व्यवधान के कारण संसद का काम ठप करते हैं, तो करदाताओं के पैसों से मिलने वाले वेतन और भत्तों पर उनका कोई अधिकार नहीं बनता। साथ ही, जिस तरह दागी नेताओं को एक माह तक जेल में रहने पर स्वतः उनका मंत्री पद समाप्त होने के प्रावधान वाला विधेयक पेश किया गया है उसी तरह लगातार हंगामा करने वाले सांसदों की सदस्यता स्वतः समाप्त करने पर भी गंभीर विचार होना चाहिए। यह लोकतंत्र को बचाने और संसद की गरिमा बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

इसके अलावा, यह भी दिलचस्प रहा कि सत्र से पहले यह अपेक्षा थी कि जस्टिस यशवंत वर्मा के पद से हटाने की प्रक्रिया प्रमुख राजनीतिक मुद्दा बनेगी। किंतु अप्रत्याशित रूप से उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे ने इस मानसून सत्र को एक ऐतिहासिक राजनीतिक मोड़ दे दिया।

इसके अलावा, भारत ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत का संकल्प लिया है और पूरा राष्ट्र इस लक्ष्य की दिशा में गति पकड़ चुका है। लेकिन जब संसद में विपक्षी सांसद लगातार हंगामा कर व्यवधान डालते हैं, तो यह सीधे-सीधे विकसित भारत की राह में रोड़ा डालने जैसा है। देखा जाये तो विकास की गति केवल सड़कों, पुलों और उद्योगों से नहीं तय होती, बल्कि सुचारु और प्रभावी विधायी व्यवस्था से भी होती है। संसद ही वह स्थान है जहां नीतियों का खाका तैयार होता है, संसाधनों का प्रबंधन तय होता है और जनता की आवाज नीतियों में रूपांतरित होती है। यदि यही मंच बार-बार शोर-शराबे में जकड़ जाए और कार्यवाही बाधित हो, तो विकास की गाड़ी आगे कैसे बढ़ेगी?

विपक्ष का दायित्व है कि वह सरकार को कटघरे में खड़ा करे, सवाल पूछे और जनहित के मुद्दों पर रचनात्मक बहस करे। लेकिन विपक्ष यदि सवाल पूछने की बजाय हंगामा करने को ही हथियार बनाए, तो यह लोकतंत्र के साथ ही देश की विकास यात्रा के साथ अन्याय है। संसद का हर मिनट करदाताओं के करोड़ों रुपये के बराबर होता है। ऐसे में यह समय और धन व्यर्थ करना देश की प्रगति में बाधा डालने जैसा है। आज जब पूरा भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है, तब विपक्षी सांसदों को चाहिए कि वह हंगामा छोड़कर सार्थक बहस और ठोस सुझावों के माध्यम से योगदान करें। विकास केवल सरकार का नहीं, बल्कि पूरे राजनीतिक तंत्र और समाज का साझा दायित्व है। यदि संसद ही ठप कर दी जाएगी, तो विकसित भारत का संकल्प केवल एक अधूरा सपना बनकर रह जाएगा।

बहरहाल, स्पष्ट है कि भारतीय संसदीय प्रणाली इस समय गंभीर संकट से गुजर रही है। आंकड़े बताते हैं कि संसद का अधिकांश समय सार्थक चर्चा और विधायी कार्यों की बजाय शोर-शराबे में नष्ट हो रहा है। विपक्ष यदि लोकतंत्र की रक्षा का दावा करता है, तो उसे पहले संसद की कार्यप्रणाली को ठप करने की बजाय संवाद और बहस के रास्ते पर लौटना होगा। लोकतंत्र बहुमत और विपक्ष दोनों की जिम्मेदारी से चलता है। संसद को हंगामे की भेंट चढ़ाना देश और जनता के हितों को सीधा नुकसान पहुँचाता है। इसलिए अब समय आ गया है कि संसद में अनुशासन और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए कठोर नियम बनाए जाएं। हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र हैं लेकिन यदि हमारी संसदीय प्रणाली औसत दर्जे का प्रदर्शन करेगी तो यह स्थिति हर भारतीय के लिए शर्मनाक है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

संपादकीय

संबंधों में सुधार के संकेत

भारत और चीन के आपसी रिश्तों की उलझी गांठें ढीली पड़ने लगी हैं। विदेश मंत्रियों की एक दूसरे के देश में हो रही यात्राओं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चीन में होने वाली शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में शामिल होने पर सहमति ने पूरा परिदृश्य ही बदलने के संकेत दे दिए हैं। चीन ने भी भारत को उर्वरकों और दुर्लभ मृदा खनिजों की आपूर्ति से जुड़े.प्रतिबंधों में ढ़ील देने पर सहमति जता दी है। भारत की दो दिवसीय यात्रा पर आए चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ वार्ता के दौरान यह आश्वासन दिया। जयशंकर पिछले महीने जब बीजिंग गए थे तब उन्होंने भारत की विशेष चिंताओं का उल्लेख किया था। भारत की उर्वरकों, दुर्लभ मृदा खनिजों और सुरंग खोदने वाली मशीनों की जरूरतों को चीन पूरा करेगा। दुर्लभ मृदा खनिज जैसे लीथियम आयनङ्क कोबाल्ट और निकल उच्च-स्तरीय तकनीकी उत्पादों जैसे इलेंट्रिरक वाहन (ईवी) और ड्रोन के लिए बैटरी बनाने के लिए जरूरी होते हैं। हालांकि भारत के जम्मू कश्मीर और कुछ अन्य राज्यों में लीथियम आयन के भंड़ार मिल चुके हैं लेकिन इनके खनन और प्रसंस्करण का काम अभी शुरू नहीं हुआ है। भारत अपनी आर्थिक वृद्धि को गति देने के लिए दुर्लभ मृदा खनिजों की निरंतर आपूर्ति की उम्मीद कर रहा है। दुर्लभ मृदा खनिजों की आपूर्ति में चीन का 70 प्रतिशत योगदान है। चीन 2023 तक भारत को भारी मात्रा में उर्वरक निर्यात करता था जो पिछले साल से बाधित है। भारत को सुरंग खोदने वाली मशीनों का निर्यात भी रुोका पड़ा है। पूर्वी लद्दाख सीमा पर विवाद के बाद भारत-चीन के बीच तनाव बढ़ गया था। 2020 में गलवान घाटी में झड़प के बाद भारत-चीन संबंधों में तनाव आ गया था। तभी से दोनों देश तनाव कम करने के प्रयास में जुटे हैं। दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की यात्राओं को संबंधों को सामान्य बनाने के प्रयासों के हिस्से के रूप में देखा जा रहा है। चीनी विदेश मंत्री मुख्य रूप से राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत ड़ोभाल के साथ सीमा मुद्दे पर विशेष प्रतिनिधि (एसआर) स्तर की वार्ता के एक नये दौर की बैठक के लिए भारत आए हैं। इस समय पूरी दुनिया जिस तरह के हालात से गुजर रही है, उसमें भारत-चीन संबंधों में सुधार पूरे विश्व की भलाई में सहायक हो सकता है। चीन और भारत दुनिया की प्रमुख और बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हैं। दोनों देशों की बड़ी आबादी की जरूरतों के लिए सहयोग जरूरी है। दोनों देश सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

चिंतन-मनन

चैन से सोना है तो सोने को कहें ना

सोने की चमक सभी को आकर्षित करती है। इसी आकर्षण के कारण लोग अधिक से अधिक सोना खरीदने चाहते हैं। यह चाहत तब और भी बढ़ जाती है जब सोने की कीमत में अचानक थोड़ी गिरावट आती है। लोग इस मौका का लाभ उठाना चाहते हैं। आज कल बाजार में यही स्थिति है क्योंकि सोने की कीमत कमी आयी है। आइए जानें सोने के बारे में हमारे शास्त्रों क्या कहा गया है। ज्यादातर पौराणिक ग्रंथों में इस बात को कई तरह से कहा गया है कि सोने की खरीदारी से जितनी खुशी नहीं होती है उससे अधिक चिंता बढ़ जाती है। हमेशा यह चिंता सताती है कि सोना चोरी न हो जाए। इसे कैसा संभालकर रखें। पड़ोसी की नजर सोने के गहनों पर नहीं जाए, क्योंकि नजर लग जाएगी।यह भी कहा जाता है कि किसी अवसर पर सोने के गहने पहन लें तो हमेशा इसी पर ध्यान रहता है कि कहीं गिर न जाए, कोई खींच न ले। इस चिंता के कारण उत्सव का पूरा आनंद भी नहीं उठा पाते हैं।

सोना सिर्फ आपको चिंतित ही नहीं करता है बल्कि आपकी सोच और व्यवहार को भी प्रभावित करता है। इससे अभिमान भी जन्म लेता है। यही कारण है कि रहीम ने लिखा है कनक कनक ते सौगुनी, मादकता अधिकाय। वा खाये बौराय नर, वा पाये बौराय।। इस दोहे में रहीम ने दो बार कनक शब्द का प्रयोग किया है। एक कनक धतूरे के लिए और दूसरा सोना के लिए। रहीम ने कहा है कि सोने का नशा धतूरे भी ज्यादा होता है। धतूरा खाने के बाद आदमी बौरा जाता है लेकिन सोने का नशा इतना तेज होता है कि इसे प्राप्त कर लेने मात्र से इंसान बौरा जाता है। पुराणों में कथा है कि कलियुग का प्रवेश भी सोने के माध्यम से हुआ था। कलियुग सोने में निवास करता है इसलिए सोने के कारण विवाद और रिश्तों में दूरियां तक आ जाती है। साधु पुरूष कहते हैं कि सोना चिंता का बड़ा कारण है। जब आप इसे पाने की सोचने लगते हैं तभी से चिंता आपके ऊपर हावी होने लगती है।

वोट चोरी : तू इधर उधर की बात न कर

निर्मल रानी

भारत में इन दिनों वोट चोरी का मुद्दा आम लोगों में चर्चा का विषय बना हुआ है। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में होने वाले चुनावों की हालाँकि पूरे विश्व में सराहना की जाती है परन्तु यह भी सही है कि इन चुनावों की पारदर्शिता को लेकर भी दशकों से सवाल उठते रहे हैं। आज यदि ई वी एम से होने वाली कथित धांधली पर सवाल उठाया जाता है तो बैलेट पेपर और मत पेटी के दौर में बूथ कैप्चरिंग व वोट गिनती में धांधली के आरोप भी लगते रहे हैं। परन्तु पिछले दिनों इस सम्बन्ध में उठा विवाद कुछ ज्यादा ही तूल पकड़ गया है। इस विवाद में एक तरफ भारतीय जनता पार्टी व चुनाव आयोग है तो दूसरी तरफ कांग्रेस के नेतृत्व में इण्डिया गठबंधन के सभी दल। यह विवाद दरअसल 2024 के लोकसभा चुनाव व कुछ राज्यों के विधानसभा चुनावों के बाद उस समय शुरू हुआ, जब कांग्रेस और इंडिया गठबंधन ने चुनाव आयोग पर मतदाता सूची में गड़बड़ियों और वोटर फ्रॉड के गंभीर आरोप लगाए। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित अनेक विपक्षी नेताओं ने दावा किया है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में मतदाता सूचियों में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी कर चुनावों में बेईमानी की गयी है। उन्होंने आरोप लगाया कि कर्नाटक, महाराष्ट्र, हरियाणा और बिहार जैसे राज्यों में बड़ी संख्या में फर्जी मतदाताओं के नाम जोड़े गए हैं और डुप्लिकेट वोटर की प्रविष्टियां बनाई गईं हैं। कि कई जगह तो मतदाताओं के नाम सूची से भी हटा दिए गए हैं । इस संबंध में राहुल गाँधी ने चुनाव आयोग द्वारा ही उपलब्ध कराये गये वोटर लिस्ट के विशाल भंडार के शोध के आधार पर ही विशेष रूप से कर्नाटक के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र का उदाहरण दिया। उन्होंने अपनी पड़ताल में पाया कि अकेले महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में ही डुप्लिकेट प्रविष्टियों और फर्जी पतों के द्वारा 1,00,250 वोट चुराए गए। विपक्ष के मुताबिक इस तरह की गड़बड़ियों के कारण ही कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों को 2024 के चुनाव में पराजय हुई। विशेष रूप से उन सीटों पर जहां हार का अंतर 50,000 वोटों से कम था। राहुल गांधी ने तो यहाँ तक दावा किया कि इसी वोटर फ्रॉड की वजह से ही कांग्रेस को लगभग 70 लोकसभा सीटों का नुकसान हुआ। इसी बीच बिहार में निकट भविष्य में होने वाले विधानसभा चुनावों से पूर्व चुनाव आयोग ने वोटर लिस्ट का विशेष गहन पुनरीक्षण (Special Intensive Revision - SIR) का काम शुरू कर दिया। इस प्रक्रिया में बिहार की मतदाता सूची से लगभग 65 लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए, जिसे विपक्ष ने वोट चोरी का हिस्सा बताया। सुप्रीम कोर्ट ने भी इस मामले में हस्तक्षेप करते हुए चुनाव आयोग को इन हटाए गए नामों का विवरण और कारण सार्वजनिक करने का निर्देश दिया। उसके बाद ही चुनाव आयोग ने इन्हें सार्वजनिक किया। एक तरफ तो विपक्ष अर्थात इण्डिया गठबंधन, इस पूरे प्रकरण को लेकर चुनाव आयोग की बीजेपी के साथ मिलीभगत का आरोप लगा रहा है जबकि बीजेपी व चुनाव आयोग इसे विपक्ष की बौखलाहट और अनर्गल आरोप करार दे रहे हैं। पहले भी चुनाव आयोग विपक्ष के इस तरह के आरोपों को बार-बार खारिज करता रहा है। परन्तु कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक ने इस मुद्दे को जनता तक ले जाने के लिए वोट चोरी से आजादी अभियान शुरू किया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गत 17 अगस्त, 2025 को चुनावी राज्य बिहार के सासाराम से अपनी 16 दिवसीय मतदाता अधिकार यात्रा शुरू की। 1,300 किलोमीटर की यह यात्रा 1 सितंबर को पटना में एक विशाल रैली के साथ समाप्त होगी, जिसमें विभिन्न भारतीय राजनैतिक दलों के नेता शामिल होंगे। दूसरी तरफ ठीक उसी दिन व उसी समय यानी 17 अगस्त 2025 को ही चुनाव आयोग ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर कहा कि मतदाता सूची की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी है और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 के तहत है। आयोग ने यह भी कहा कि राजनीतिक दलों को मतदाता सूची की जांच के लिए समय दिया जाता है, लेकिन विपक्ष ने समय पर आपत्तियां दर्ज नहीं कीं।आयोग ने राहुल गांधी से उनके आरोपों के समर्थन में शपथ पत्र मांगते हुए कहा कि यदि उन्होंने एक सप्ताह में अपनी आपत्तियों से सम्बंधित हलफनामा नहीं दिया तो उन्हें देश से मुआफी मांगनी पड़ेगी। अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में सी सी टी वी फुटेज को लेकर भी चुनाव आयोग ने कई ऐसी बातें कीं जिसे पक्षपातपूर्ण व अतार्किक माना जा रहा है। बहरहाल, विपक्ष व चुनाव आयोग के बीच भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में पहली बार इस कद्र तल्खी पैदा हुई है। चुनाव आयोग की मनमानी को बेनकाब करने के लिये कांग्रेस ने http://votechori.in के नाम से एक वेब पोर्टल लॉन्च किया है, जहां लोग वोट चोरी के विरुद्ध अपनी शिकायत दर्ज कर सकते हैं और डिजिटल मतदाता सूची की मांग का समर्थन कर सकते हैं। साथ ही कांग्रेस ने टोल फ्री नंबर 9650003420 भी मिस्ड कॉल के लिये जारी किया है। इसपर जनता उन्हें अपना समर्थन व वोट सम्बन्धी अपनी शिकायत दे सकती है। विपक्ष ने इस मुहिम को वोट चोरी से आजादी अभियान का नाम दिया है। इसमें कोई शक नहीं कि अब वोट चोरी के मुद्दे ने देश की राजनीति में उबाल पैदा कर दिया है। पूरा देश इसे एक गंभीर और संवेदनशील मुद्दे के रूप में देख रहा है। क्योंकि चुनाव आयोग व भाजपा की जुगलबंदी ने भारत जैसे विशाल लोकतंत्र की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर सवाल खड़ा कर दिया है। विपक्ष तो सीधे तौर पर इसे लोकतंत्र पर हमला बता रहा है। देश के मतदाता इस समय चुनाव आयोग के पक्षपातपूर्ण रवैये से परेशान होकर यही कहते दिखाई दे रहे हैं कि- तू इधर उधर की बात न कर। ये बता कि काफिला क्यों लुटा? मुझे रहजनों से गरज नहीं। तेरी रहबरी का सवाल है?

जलवायु परिवर्तनः संध्या काल में बुजुर्गों की दुश्वारियां

अमरपाल सिंह वर्मा

जलवायु परिवर्तन अब केवल पर्यावरण की चुनौती नहीं रह गया है, बल्कि मानवीय स्वास्थ्य पर गंभीर संकट भी बन चुका है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) की हाल में जारी नई रिपोर्ट में बुजुर्गों पर मंडरा रहे जानलेवा संकट की चेतावनी दी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक बुजुर्ग खास तौर पर जलवायु परिवर्तन के कारण गंभीर स्वास्थ्य जोखिमों का सामना कर रहे हैं। यह रिपोर्ट पूरी दुनिया के बुजुर्गों पर जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों का खुलासा करती है। भारत जैसे देश, जहां बुजुर्गों की संख्या लगातार बढ़ रही है, में जलवायु परिवर्तन के स्वास्थ्य पर प्रभाव और भी अधिक चिंताजनक होते जा रहे हैं।

बुजुर्ग न केवल शारीरिक रूप से कमजोर होते हैं, बल्कि उनकी रोग प्रतिरोधी क्षमता भी उम्र के साथ घटती जाती है। ऐसे में वे भीषण गर्मी, लू, शीत लहर, वायु प्रदूषण और नई उभरती बीमारियों के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाते हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण गर्मी में इजाफा हो रहा है। यह बुजुर्गों के लिए प्रमुख स्वास्थ्य जोखिम है क्योंकि लू और अत्यधिक तापमान के दौरान उनके शरीर की तापमान नियंत्रित करने की क्षमता कम हो जाती है। 2022 की द लैंसेट काउंटडाउन रिपोर्ट के अनुसार 2000-04 और 2017-21 के दौरान जलवायु परिवर्तन से भारत में गर्मी से संबंधित मौतों में 55 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इनमें बुजुर्गों की संख्या अधिक है क्योंकि उनकी शारीरिक क्षमता जलवायु बदलाव को झेलने में कम होती है। पिछले कुछ वर्षों में उत्तरी राज्यों सहित भारत के कई हिस्सों में भीषण गर्मी और लू का प्रकोप बढ़ा है। गर्मियों में तापमान 45-50 डिग्री तक पहुंच जाता है। जलवायु परिवर्तन से वायु गुणवत्ता भी प्रभावित हो रही है। यह स्थिति अस्थमा और दिल की बीमारी से जूझते बुजुर्गों के लिए जानलेवा साबित हो जाती है क्योंकि उनकी त्वचा और शरीर की तापमान संतुलन क्षमता कम हो चुकी होती है, जिससे लू लगने, डिहाइड्रेशन और हृदयाघात का खतरा बढ़ जाता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण जहां गर्मी के दिन बढ़ते जा रहे हैं, वहीं सर्दियों में भी अत्यधिक ठंड पड़ने लगी है। शीत लहर के कारण बुजुर्गों को हाइपोथर्मिया, रक्तचाप में गिरावट तथा जोड़ों के दर्द जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। खासकर उत्तर भारत में दिसम्बर-जनवरी की सर्दियां उनके लिए घातक साबित हो सकती हैं।

जलवायु परिवर्तन के चलते मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया जैसे रोगों का प्रसार बढ़ा है। बुजुर्गों के लिए ये रोग अधिक घातक सिद्ध हो सकते हैं। मौसम जनित प्रभावों से उनमें तनाव, अकेलापन और अवसाद की स्थिति बनती है। यूएनईपी की रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि 1990 के दशक से अब तक 65 वर्ष या उससे अधिक उम्र के लोगों में तापलहर के कारण होने वाली मौतों में लगभग 85 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। ताप लहरें, बाढ़ और बर्फ के पिघलने जैसे जलवायु परिवर्तन के सबसे घातक प्रभावों में से एक हैं। रिपोर्ट के अनुसार जो बुजुर्ग पुरानी बीमारियों, चलने-फिरने में कठिनाई या शारीरिक कमजोरी से जूझते हैं, वो भीषण गर्मी में जानलेवा खतरे का सामना करते हैं। ये खतरे तब और बढ़ जाते हैं, जब वो प्रदूषित, भीड़भाड़ वाले शहरों या तटीय इलाकों में रहते हैं, जहां बुजुर्गों की आबादी ज्यादा है, और समुद्र का स्तर लगातार बढ़ रहा है।

हमारे देश में पहले दिल्ली, पटना, लखनऊ, कानपुर, जयपुर, जोधपुर जैसे बड़े शहरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यू) 'खतरनाक' श्रेणी में पहुंचता था, अब तो राजस्थान के श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ समेत विभिन्न छोटे शहर भी इस स्थिति में आने लगे हैं। जाहिर है, समस्या बढ़ती जा रही है। भारत में 60 वर्ष से अधिक आयु वाले लोगों की संख्या 14 करोड़ तक पहुंच चुकी है, जो 2050 तक दोगुनी होकर 34 करोड़ 60 लाख हो जाने का अनुमान है। एक ओर जहां बुजुर्गों की आबादी बढ़ रही है, वहीं जलवायु परिवर्तन का असर भी तेज से तेज होता जा रहा है। हीटवेव, वायु प्रदूषण और संक्रामक रोगों के बढ़ते खतरे ने बुजुर्गों को गंभीर संकट में डाल दिया है।

जरूरत इस बात की है कि सरकारें, नीति निमार्ता, स्वास्थ्यकर्मी और समाज के लोग मिल कर ऐसे समाधान खोजें जो बुजुर्गों को जलवायु परिवर्तन के बदलावों से सुरक्षित रख सकें। यूएनईपी की रिपोर्ट में

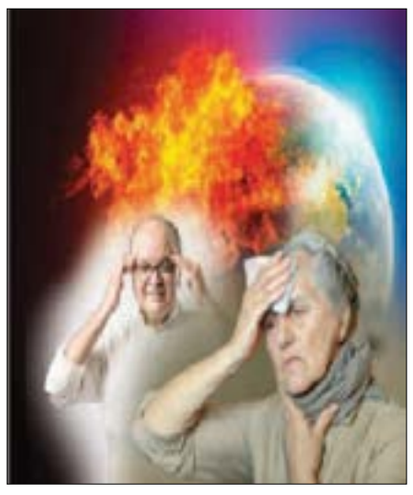

इसके लिए शहरों को प्रदूषणमुक्त रखने की सिफारिश की गई है, जहां हरित क्षेत्रों की पर्याप्त मौजूदगी हो। सुझाव दिया गया है कि सुनियोजित शहरी विकास, सामुदाय आधारित आपदा जोखिम प्रबंधन और बुजुर्ग आबादी के लिए जलवायु संबंधी सूचनाओं तक बेहतर पहुंच सुनिश्चित की जाए। जलवायु परिवर्तन की आंच सबसे पहले और सर्वाधिक गहराई से बुजुर्ग शरीर को महसूस होती है। यह वह वर्ग है जिसने देश को दशकों अपने श्रम, ज्ञान और सेवा से समृद्ध किया है। अब जरूरत है कि हम उन्हें ऐसा वातावरण दें जहां वे जीवन का संध्या काल अच्छे स्वास्थ्य के साथ बिता सकें।

संक्षिप्त समाचार

सीरिया और इस्राइल के बीच पेरिस में दुर्लभ बैठक

डमस्कस, एजेंसी। सीरिया की सरकारी समाचार एजेंसी ने बताया है कि सीरिया के विदेश मंत्री ने पेरिस में इस्राइल के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ एक दुर्लभ बैठक की है। समाचार एजेंसी सना के अनुसार, विदेश मंत्री असद अल-शिबानी ने मंगलवार को इस्राइली अधिकारियों से बातचीत की। दोनों पक्षों ने तनाव कम करने और 1974 के युद्धविराम समझौते को फिर से लागू करने पर चर्चा की। दिसंबर में सीरियाई राष्ट्रपति बशर अल-असद को सत्ता से हटाए जाने के बाद से सीरिया और इस्राइल के रिश्तों में तनाव काफी बढ़ गया है। इज़राइल ने दक्षिणी सीरिया में अपनी जमीनी सेना भेजी है और देशभर में कई सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं।

अमेरिकी न्याय विभाग अपराध के आंकड़ों में हेराफेरी की कर रहा जांच

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी न्याय विभाग ने इस बात की जांच शुरू कर दी है कि क्या वाशिंगटन डीसी के पुलिस अधिकारियों ने अपराध के आंकड़ों में हेराफेरी की है। यह जानकारी ऐसे व्यक्ति ने दी है जो जांच के बारे में जानता है, लेकिन उसे सार्वजनिक रूप से बोलने की अनुमति नहीं है। यह जांच उस समय हो रही है जब ट्रंप प्रशासन और वॉशिंगटन शहर की सरकार के बीच पुलिस विभाग पर नियंत्रण को लेकर राजनीतिक टकराव बढ़ रहा है। अभी यह साफ नहीं है कि अगर अपराध के आंकड़ों में हेरफेर हुआ तो वह किन संघीय कानूनों के खिलाफ होगा। मेयर कार्यालय ने इस पर कोई टिप्पणी करने से मना कर दिया। न्यूयॉर्क टाइम्स ने सबसे पहले इस जांच की खबर दी थी। वहीं, एनबीसी वॉशिंगटन ने बताया कि इस साल की शुरुआत में, अपराध के आंकड़ों से छेड़छाड़ के शक में मेट्रोपॉलिटन पुलिस विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी को सवेतन प्रशासनिक छुट्टी पर भेज दिया गया था।

उत्तरी कैरोलिना में कार गैस लाइन से टकराई, नए पशु अस्पताल में विस्फोट

रैलीघ, एजेंसी। उत्तरी कैरोलिना में मंगलवार सुबह (स्थानीय समयानुसार) एक नए पशु अस्पताल में विस्फोट हो गया। यह हादसा तब हुआ जब एक कार सड़क से फिसलकर अस्पताल की गैस पाइपलाइन से टकरा गई। विलमिंगटन पुलिस के प्रवक्ता ग्रेग विलेट ने बताया कि यह अस्पताल अभी निर्माणाधीन था। कार गैस लाइन से टकराने के करीब 20 मिनट बाद जोरदार विस्फोट हुआ। कार चालक मौके से भाग गया था, इसलिए इसे हिट एंड रन का मामला माना गया। दमकल विभाग की प्रवक्ता रेबेका थर्स्टन ने बताया कि हादसे के बाद इमारत तुरंत खाली करा ली गई थी। दमकलकर्मी यह सुनिश्चित करने के लिए अंदर जांच कर ही रहे थे कि सब लोग बाहर निकल चुके हैं, तभी विस्फोट हो गया। इसमें तीन दमकलकर्मी घायल हुए। दो को मामूली चोटें आई, जबकि एक के हाथ और बाजू बुरी तरह झुलस गए। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

दक्षिण सागर में चीन ने अपने ही युद्धपोत को मारी टक्कर

बीजिंग, एजेंसी। दक्षिण चीन सागर में अपना प्रभुत्व बढ़ाने के लिए चीन आक्रामक होकर अन्य देशों पर दबाव बढ़ा रहा है। इसी प्रयास में 11 अगस्त को फिलीपीन के जहाज का पीछा करने के दौरान चीन के दो युद्धपोत ही आपस में टकरा गए, जिसमें एक जहाज का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। चीन ने अब तक इस घटना को छिपाए रखा पर एक वीडियो के बाद उसकी पोल खुल गई। चीन को शर्मिंदा करने वाली यह घटना स्कारबोरो शोल से 10 समुद्री मील की दूरी पर हुई। स्कारबोरो शोल फिलीपीन के आर्थिक क्षेत्र में आता है, पर 2012 में चीन ने इस पर कब्जा कर लिया, जिसे लेकर दोनों नौसेनाओं में तनाव रहता है। 11 अगस्त को चीनी तटरक्षक बल का जहाज पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी के विध्वंसक से भिड़ गया।

एअर कनाडा का हड़ताल खत्म करने को संघ से समझौता

कनाडा , एजेंसी। एअर कनाडा के 10,000 फ्लाइट अटेंडेंट के संघ ने मंगलवार तड़के कहा कि हड़ताल खत्म करने को एक अस्थायी समझौता हो गया है। हाल ही में शुरू इस हड़ताल से प्रतिदिन लगभग 1.30 लाख यात्री प्रभावित हो रहे थे। संघ ने कहा, यह समझौता सदस्यों को विमानों के उड़ान भरने के दौरान किए गए काम के लिए भुगतान की गारंटी देगा। इस तरह एक प्रमुख मुद्दा हल हो गया है।

यूक्रेन पर नया रोड़ा: जेलेंस्की चाह रहे युद्धविराम ट्रंप-पुतिन रट रहे शांति समझौते का राग

वाशिंगटन, एजेंसी। एक हफ्ते के अंदर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमीर जेलेंस्की से मुलाकात कर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी मंशा साफ कर दी है कि वह हर हाल में यूक्रेन युद्ध रोकना चाहते हैं लेकिन हफ्ते भर के अंदर हुई इन हाई प्रोफाइल मुलाकातों के दौरान ट्रंप ने युद्धविराम की बात करते-करते अब शांति वार्ता की राह पकड़ ली है। दरअसल, उनके स्टैंड में आए इस बदलाव के पीछे रूसी राष्ट्रपति पुतिन हैं, जो यूक्रेन के साथ युद्धविराम नहीं बल्कि शांति वार्ता चाहते हैं।

सोमवार को जब वाइट हाउस में सात यूरोपीय नेताओं के साथ ट्रंप से जेलेंस्की मिलने पहुंचे तो अमेरिकी राष्ट्रपति ने स्पष्ट शब्दों में यूक्रेन में युद्धविराम के अपने पुराने आह्वान यानी युद्धविराम को त्यागकर, पुतिन के स्थायी शांति समझौते के प्रयासों का समर्थन किया। हालाँकि, कुछ यूरोपीय नेताओं ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि पहले अस्थायी युद्धविराम लागू किया जाए। **यूरोपीय देशों को क्या डर?** ऐसा भी नहीं है कि यूक्रेन और यूरोपीय सहयोगी देश क्षेत्र में शांति नहीं चाहते लेकिन वे समझ रहे हैं कि शांति वार्ता की आड़ में रूस जिस तरह का समझौता चाहता है, वह तब तक संभव नहीं है, जब तक कि वैश्विक व्यवस्था के सबसे बुनियादी सिद्धांत लागू न हों। कीव और उसके सहयोगियों का स्पष्ट मानना है कि कोई देश शांति वार्ता के नाम पर अपनी मनचाही चीज़ें बलपूर्वक ना तो पा सकता है और ना ही उसे नजरअंदाज करने दिया जा सकता है। दरअसल, कीव के यूरोपीय सहयोगी रूस द्वारा प्रचारित जोखिम उठाने को तैयार नहीं हैं, क्योंकि उन्हें भय है कि वे रूसी हमले का अगला निशाना बन सकते हैं। सोमवार को ओवल ऑफिस में यूक्रेनी राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की और कई यूरोपीय नेताओं से बात करते हुए, ट्रम्प ने मॉस्को के तर्कों का समर्थन किया और सवाल किया कि अगर स्थायी और व्यापक शांति समझौता हो सकता है तो अस्थाई युद्धविराम की क्या जरूरत है? ऐसे में यह समझना जरूरी है कि दोनों

(युद्धविराम और शांति समझौता) में क्या बड़ा अंतर है?

क्या होता है युद्धविराम? युद्धविराम, दरअसल युद्ध के दौरान वैसी स्थिति है, जिसमें युद्धरत पक्ष लड़ाई बंद करने पर सहमत होते हैं और प्रत्येक पक्ष अपने सैन्य नियंत्रण वाले क्षेत्र पर कब्ज़ा बनाए रखता है। आम तौर पर यह माना जाता है कि यह विराम अस्थायी होता है और इस दौरान दोनों पक्ष आपसी बातचीत करते हैं या मानवीय सहायता पहुँचाने या नागरिकों को निकालने के अवसर के रूप में उस अवधि का इस्तेमाल करते हैं। युद्धविराम अल्पकालिक से दीर्घकालिक तक हो सकता है। जैसे 1914 का क्रिसमस युद्धविराम जो कुछ दिनों तक चला था। युद्धविराम के ऐसे भी उदाहरण हैं जो दशकों तक चले हैं। जैसे साइप्रस और तुर्की के बीच और भारत और पाकिस्तान के बीच दशकों से युद्धविराम लागू है, लेकिन इन देशों के बीच कोई स्थायी शांति समझौता नहीं हो सका है।

क्या होता है शांति समझौता? अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत, शांति समझौता एक औपचारिक, दीर्घकालिक संधि होती है जो दो देशों के बीच भविष्य के संबंधों को निर्धारित करती है। इसके तहत विरोधी देश पर कब्जे वाले क्षेत्र को पूर्ण या आंशिक तौर पर छोड़ने पर सहमति बनती है। यूक्रेन जंग में पुतिन और ट्रंप जो चाहते हैं, वह शांति समझौता है लेकिन उनकी शर्तें ऐसी हैं जो इसे जटिल बना देती हैं। विशेषज्ञ कहते हैं कि अंतर्राष्ट्रीय कानून का एक मूल सिद्धांत है जो संयुक्त राष्ट्र चार्टर में सबसे ऊपर अंकित है। इसके अनुसार, किसी भी पक्ष द्वारा बल प्रयोग पर पूरी तरह से प्रतिबंधित है। इसलिए इसका यह भी अर्थ है कि बल प्रयोग द्वारा प्राप्त की गई कोई भी संधि प्रभावी रूप से अवैध है।

शांति समझौते की राह में रोड़ा कहां? पिछले सप्ताह हुई ट्रंप और पुतिन की मुलाकात के दौरान शांति वार्ता के जिस रूप पर कथित तौर पर चर्चा हुई है, उस पर यूरोप और यूक्रेन को ऐतराज है। पुतिन अपनी कुछ ऐसी मांगों पर अड़े हुए हैं जो अड़चनें पैदा कर रही हैं। 'द गार्जियन' के अनुसार रूसी राष्ट्रपति ने कथित तौर पर अपने अमेरिकी समकक्ष से कहा कि वह डोनेट्स्क और लुहान्स्क पर पूर्ण नियंत्रण के बदले में सभी शत्रुताएँ समाप्त करने को तैयार हैं।

इलके अलावा क्रेमलिन ने युद्ध समाप्त करने और शांति समझौता करने के लिए जो शर्तें रखी हैं, उनमें यूक्रेन का नाटो में शामिल न होना, उसका विसैन्यीकरण और नाजी-मुक्ति, अन्य देशों द्वारा हथियारों के निर्यात पर रोक, तथा डोनेट्स्क, लुहांस्क, ज़ापोरीज्जिया और खेरसॉन के बहुसंख्यक रूसी भाषी क्षेत्रों को क्षेत्रीय रियायतें देना, तथा क्रीमिया को रूस का हिस्सा मानने की अंतर्राष्ट्रीय मान्यता शामिल है। माना जा रहा है कि इन शर्तों पर संयुक्त राष्ट्र चार्टर के मुताबिक शांति समझौता होना मुश्किल है।

रिटायर्ड फायर इंस्पेक्टर मार्क वॉरेन को पुतिन ने गिफ्ट की 22 लाख की बाइक

मास्को, एजेंसी। अलास्का के रहने वाले रिटायर्ड फायर इंस्पेक्टर मार्क वॉरेन अचानक अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में आ गए हैं। दरअसल, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उन्हें 22,000 डॉलर करीब 18 लाख रुपये की नई उरल मोटरसाइकिल उपहार में दी है। 9 अगस्त को एंकोरेज में हुए पुतिन-ट्रंप शिखर सम्मेलन की कवरेज के दौरान रूस के टीवी चैनल ऋश्वह्यह्यद्व4ड्ड 1 की टीम ने वॉरेन से बातचीत की थी। इस दौरान उन्होंने अपनी पुरानी उरल मोटरसाइकिल दिखाते हुए कहा कि प्रतिबंधों के कारण उन्हें पार्ट्स नहीं मिल पा रहे हैं और गलती से यह भी कह दिया कि इसकी फैक्ट्री यूक्रेन में है। उनका यह बयान रूस में वायरल हो गया और कुछ ही दिनों बाद पुतिन ने उन्हें नई बाइक भेंट कर दी। 15 अगस्त को एंकोरेज स्थित लेकफ्रंट होटल की पार्किंग में रूसी दूतावास के अधिकारी आंद्रेई लेदेनेव ने वॉरेन को नई मोटरसाइकिल की चाबी सौंपी। लेदेनेव ने कहा, ÷यह राष्ट्रपति पुतिन की ओर से व्यक्तिगत उपहार है।÷ रूसी टीवी चैनलों पर वॉरेन को नई मोटरसाइकिल चलाते हुए भी दिखाया गया। **कौन हैं मार्क वॉरेन?** मार्क वॉरेन जीवनभर अलास्का में रहे और मोटरसाइकिलों के शौकीन हैं। अक्सर अपनी पोती के साथ सवारी करते हैं। पुरानी उरल उन्होंने एक पड़ोसी से खरीदी थी। रूसी मीडिया ने उन्हें पश्चिमी प्रतिबंधों के शिकार साधारण अमेरिकी नागरिक के रूप में पेश किया। हालांकि, उरल मोटरसाइकिल कंपनी ने स्पष्ट किया कि उसका मुख्यालय अब अमेरिका के वॉशिंगटन में है और उत्पादन 2022 में कजाकिस्तान ट्रांसफर कर दिया गया था। सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने पुतिन की इस पहल को कूटनीति का नया अंदाज बताया। वहीं आलोचकों ने इसे क्रेमलिन की प्रचार रणनीति कहा। आलोचकों ने यह भी याद दिलाया कि पुतिन पर अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (ढ्ढष्टष्ट) ने युद्ध अपराधों के मामले में वारंट जारी कर रखा है। **वॉरेन का जवाब** वॉरेन ने विवाद को नजरअंदाज करते हुए कहा, ÷मैंने बहुतों को नाराज कर दिया, लेकिन मुझे परवाह नहीं। ये बाइक शानदार है। उन्होंने यह भी साफ किया कि वह किसी भी तरह से क्रेमलिन के एजेंडे का हिस्सा नहीं हैं। वॉरेन ने कहा, उन्हें मुझसे कुछ नहीं मिलेगा।÷ वॉरेन अब अपनी पुरानी बाइक बेचने की योजना बना रहे हैं। उनके लिए यह नई मोटरसाइकिल बस एक बेहतर सवारी है।

चीनी कंपनी टिकटॉक पर दिखेंगे डोनाल्ड ट्रंप, वाइट हाउस का ऑफिसियल अकाउंट शुरू

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का चीन के प्रति प्रेम एक बार फिर सामने आया है। चीन से लगाव रखने और भारत पर टैरिफ लगाने वाले ट्रंप अब टिकटॉक पर दिखाई देंगे। दरअसल, वाइट हाउस (अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक निवास और कार्यालय) ने मंगलवार को टिकटॉक पर अपना अकाउंट शुरू किया। यह कदम तब उठाया गया जब अमेरिका में टिकटॉक के भविष्य और वैधता पर गंभीर सवाल उठते रहे हैं। इस लोकप्रिय वीडियो शेयरिंग ऐप पर अपनी पहली पोस्ट में वाइट हाउस ने 27 सेकंड का एक क्लिप साझा किया और कैप्शन में लिखा कि अमेरिका हम वापस आ गए हैं। **क्या टिकटॉक अमेरिका में चल रहा है?** वीडियो पोस्ट करने के कुछ ही घंटों में अकाउंट पर पांच हजार से अधिक फॉलोअर्स हो गए। दूसरी ओर टिकटॉक पर डोनाल्ड ट्रंप के निजी अकाउंट पर 110.1 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

उनकी आखिरी पोस्ट 5 नवंबर, 2024 को की गई थी, जिस दिन अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान हुआ था। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या टिकटॉक अमेरिका में चल रहा है? बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप का टिकटॉक के साथ प्रेम और नफरत का रिश्ता है। नफरत की वजह यह है कि टिकटॉक एक चीनी कंपनी है, और ट्रंप नहीं चाहते कि अमेरिकी नागरिकों का डेटा चीन जाए। ट्रंप ने एक कानून बनाया है। इस कानून के तहत टिकटॉक को अमेरिका में चलने के लिए किसी गैर-चीनी कंपनी को बेचना होगा, वरना उस पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। **टिकटॉक को किसी गैर-चीनी कंपनी ने नहीं खरीदा** हालांकि, अभी तक टिकटॉक को किसी गैर-चीनी कंपनी ने नहीं खरीदा, फिर भी यह अमेरिका में चल रहा है। टिकटॉक का स्वामित्व चीन की इंटरनेट कंपनी बाइटडांस के पास है। राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर टिकटॉक की बिक्री या प्रतिबंध से संबंधित एक कानून 20 जनवरी को लागू होने वाला था, उसी दिन ट्रंप ने दूसरी बार राष्ट्रपति पद संभाला था। लेकिन ट्रंप को सोशल मीडिया से गहरा लगाव है। उनका 2024 का चुनावी अभियान सोशल मीडिया पर काफी हद तक निर्भर था। **सितंबर में समाप्त होने वाली है राहत** उन्होंने स्पष्ट कहा है कि वह टिकटॉक के शौकीन हैं और उन्होंने अमेरिका में इस पर प्रतिबंध लगाने की प्रक्रिया को रोक दिया। जून में ट्रंप ने टिकटॉक के लिए गैर-चीनी खरीदार खोजने या अमेरिका में प्रतिबंधित होने की समय सीमा को 90 दिनों के लिए बढ़ा दिया। यह राहत सितंबर में समाप्त होने वाली है।

अफगानिस्तान में बस की हुई ट्रक और मोटर-साइकिल से भीषण टक्कर, 71 लोगों की मौत

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान के हेरात प्रांत में मंगलवार को एक दिल दहलाने वाला रोड एक्सीडेंट हुआ। यह भीषण रोड एक्सीडेंट उस समय हुआ जब ईरान से लौटे प्रवासी अफगान नागरिकों को ले जा रही एक यात्री बस की एक मोटरसाइकिल और फिर एक फ्यूल से भरे ट्रक से टक्कर हो गई। टक्कर के बाद बस में आग लग गई। यह रोड एक्सीडेंट हेरात शहर के बाहर गुजारा जिले में हुआ। बस में सवार यात्री हाल ही में ईरान से निर्वासित किए गए अफगान नागरिक थे, जो इस्लाम कला बॉर्डर क्रॉसिंग से काबुल की ओर जा रहे थे। **71 लोगों की मौत-** इस भीषण रोड एक्सीडेंट में 71 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 17 बच्चे भी शामिल थे। मरने वालों में ट्रक और मोटरसाइकिल पर सवार 2-2 लोग भी शामिल थे। **हादसे का कारण और आग लगना-** प्रांतीय सरकार के प्रवक्ता अहमदुल्लाह मुत्ताकी ने बताया कि हादसा हेरात शहर के बाहर गुजारा जिले में बस की अत्यधिक गति और लापरवाही के कारण हुआ. बस पहले मोटरसाइकिल से टकराई और फिर ईंधन से भरे ट्रक से टकराने के बाद आग लग गई. पुलिस ने बताया कि बस में सवार सभी यात्री प्रवासी थे जिन्होंने इस्लाम कला बॉर्डर से यात्रा शुरू की थी. तीन यात्री हादसे से जीवित बचे, जबकि ट्रक और मोटरसाइकिल पर सवार चार लोग भी मृतकों में शामिल हैं.स्नक्क के एक पत्रकार ने हादसे के बाद सड़क पर जलती हुई बस और अन्य दो वाहनों के क्षतिग्रस्त अवशेष देखे।**अफगानिस्तान में सड़क हादसों की बढ़ती समस्या-** बीबीसी के अनुसार, अफगानिस्तान में सड़क हादसे आम हैं. इसके मुख्य कारण दशकों के संघर्ष के बाद खराब सड़कें, हाईवे पर खतरनाक ड्राइविंग और नियमों का कड़ाई से पालन न होना हैं. पिछले साल दिसंबर में केंद्रीय अफगानिस्तान में ईंधन टैंकर और ट्रक से जुड़े दो हादसों में कम से कम 52 लोग मारे गए थे. **ईरान से लौट रहे प्रवासी और संकट-** हाल के महीनों में ईरान की दबाव नीति के कारण लाखों अफगानी प्रवासी देश लौट रहे हैं. संयुक्त राष्ट्र प्रवासन एजेंसी के अनुसार, इस साल अब तक ईरान और पाकिस्तान से 1.6 मिलियन से अधिक लोग लौट चुके हैं. ईरान में प्रवासियों के खिलाफ बढ़ती नफरत और भेदभाव ने हालात को और जटिल बना दिया है।

नेपाल: सत्तारूढ़ गठबंधन की उप-सभापति को हटाने की तैयारी शुरू

काठमांडू, एजेंसी। नेपाली कांग्रेस और सीपीएन-यूएमएल (नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी-एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी) का नेपाली सत्तारूढ़ गठबंधन उपसभापति इंदिरा राणा मगर को हटाने के लिए एक और प्रयास करने की तैयारी में है।

दोनों दलों के नेताओं के अनुसार, उपसभापति मगर को हटाने के लिए आपात बैठक बुलाई गई है। पीएम ओली ने ने भी उन्हें कमजोर और पक्षपातपूर्ण प्रदर्शन वाला बताया है। सत्तारूढ़ गठबंधन ने उपसभापति को पद से हटाने के लिए हस्ताक्षर संग्रह अभियान भी शुरू कर दिया है। सत्तापक्ष के कुछ सांसदों ने पहले ही हस्ताक्षर कर उन्हें पद से हटाने के लिए अपना समर्थन जताया है।

संविधान के अनुसार उपसभापति को पद से हटाने के लिए दो तिहाई बहुमत जरूरी होता है। ऐसे में गठबंधन के नेता इंदिरा राणा को हटाने के लिए छोटे दलों के साथ भी परामर्श कर रहे हैं। प्रतिनिधि सभा में फिलहाल 274 सदस्य हैं और सत्तारूढ़ गठबंधन को 183 वोटों की जरूरत है।

व्हाइट हाउस ने बताया राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत पर क्यों लगाया प्रतिबंध

वॉशिंगटन, एजेंसी। व्हाइट हाउस प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने मंगलवार को कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ कर दिया है कि यूक्रेन की जंग में अमेरिकी सैनिकों को सीधे मैदान में नहीं भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका सुरक्षा गारंटी देने के दूसरे रास्तों पर विचार कर रहा है, जिनमें हवाई मदद भी शामिल हो सकती है।

सैनिक नहीं जाएंगे, लेकिन मदद जारी रहेगी- कैरोलिन लेविट ने प्रेस ब्रीफिंग में आगे कहा, %राष्ट्रपति ने साफ कहा है कि अमेरिकी सैनिक यूक्रेन की जमीन पर कदम नहीं रखेंगे। लेकिन अमेरिका यूरोपीय सहयोगियों के साथ मिलकर अन्य सुरक्षा विकल्प उपलब्ध कराने पर विचार करेगा। सुरक्षा गारंटी स्थायी शांति के लिए बेहद जरूरी हैं और इसी दिशा में राष्ट्रपति ने अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम को काम करने का निर्देश दिया है। **हवाई सुरक्षा विकल्प भी खुले- कैरोलिन लेविट**- वहीं जब पत्रकारों ने पूछा कि क्या हवाई मदद भी सुरक्षा गारंटी का हिस्सा हो सकती है, इस पर कैरोलिन लेविट ने कहा, %यह विकल्प भी खुला है। मैं कुछ खारिज नहीं करूंगी। राष्ट्रपति के पास तमाम सैन्य विकल्प मौजूद हैं। लेकिन एक बात तय है- अमेरिकी सैनिक जमीनी स्तर पर यूक्रेन में नहीं जाएंगे।

नाटो से हथियार खरीदेगा यूक्रेन- इस दौरान पत्रकारों ने जब अमेरिकी टैक्सपेयर्स के पैसे की चिंता जताई, तो व्हाइट हाउस प्रेस सचिव ने कहा कि ट्रंप ने नया फार्मूला निकाला है। राष्ट्रपति अमेरिकी करदाताओं का बोझ नहीं बढ़ाना चाहते। इसलिए उन्होंने समाधान दिया कि नाटो अमेरिकी हथियार खरीदे और उसे यूक्रेन को उपलब्ध कराए। अमेरिकी हथियार दुनिया में सबसे बेहतरीन हैं। इसी से यूक्रेन की जरूरत पूरी की जाएगी। **ट्रंप-पूतिन-जेलेंस्की संवाद की कोशिश**-कैरोलिन लेविट ने कहा कि ट्रंप ने रूस और यूक्रेन के बीच सीधी बातचीत शुरू कराने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने पिछले हफ्ते राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात की और दर्जनों बार राष्ट्रपति जेलेंस्की से फोन पर बात की। उनकी कोशिश से दोनों देशों के

बीच वर्षों बाद बातचीत शुरू हुई है। ट्रंप का मानना है कि कोई भी शांति समझौता तभी सफल होगा, जब दोनों देशों को थोड़ा-थोड़ा त्याग करना पड़े। %राष्ट्रपति हमेशा कहते हैं कि अच्छी डील में दोनों पक्ष थोड़े असंतुष्ट रहते हैं। यही स्थायी समाधान का रास्ता है।

भारत पर भी लगाए गए ट्रंप के प्रतिबंध- इस मौके पर कैरोलिन लेविट ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने रूस पर दबाव बनाने के लिए भारत पर भी टैरिफ बढ़ाया है। उन्होंने कहा, %राष्ट्रपति ने भारत पर 25त्न अतिरिक्त शुल्क लगाकर कुल 50त्न टैरिफ कर दिया है। इसका मकसद रूस पर द्वितीयक दबाव डालना है, ताकि वह युद्ध रोकने पर मजबूर हो। **अगर ट्रंप पहले होते तो युद्ध शुरू ही न होता**-इस दौरान कैरोलिन लेविट ने दोहराया कि राष्ट्रपति ट्रंप मानते हैं कि अगर वे पहले से सत्ता में होते तो रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू ही नहीं होता। उन्होंने दावा किया कि खुद पुतिन ने भी यह बात स्वीकार की है। व्हाइट हाउस की तरफ से कहा गया है कि राष्ट्रपति ट्रंप यूरोपीय नेताओं और नाटो से लगातार चर्चा कर रहे हैं ताकि युद्ध खत्म हो और स्थायी शांति सुनिश्चित की जा सके।

भारत-पाकिस्तान शांति का दावा भी किया-वहीं राष्ट्रपति ट्रंप की तरह कैरोलिन लेविट ने प्रेस वार्ता में यह भी कहा कि ट्रंप ने पहले भी कई जगह शांति स्थापित करवाई है। उन्होंने ये भी दावा किया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच शांति समझौता कराया था, जो परमाणु युद्ध को रोकने में मददगार साबित हुआ।

रोहित शर्मा क्रिकेट के मैदान पर वापसी को बेकरार, इस टीम के खिलाफ जलवा बिखेरते आ सकते हैं नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब टीम इंडिया को दिलाने वाले कप्तान रोहित शर्मा की नीली जर्सी में वापसी का बेसब्री से इंतजार क्रिकेट प्रेमियों को है। चैंपियंस ट्रॉफी के बाद से रोहित शर्मा ने कोई भी अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। लेकिन अब उनकी टीम इंडिया में वापसी की संभावना ऑस्ट्रेलिया दौरे (19 अक्टूबर से) के दौरान दिखाई दे रही है। हालांकि, रोहित शर्मा इस दौरे से पहले ही एक खास सीरीज में हिस्सा लेने की इच्छा जता चुके हैं, जो कानपुर में खेली जाएगी।

ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ खेलने की इच्छा

टीम इंडिया का ऑस्ट्रेलिया दौरा 19 अक्टूबर से शुरू हो रहा है, जिसमें भारतीय टीम 3 वनडे और 5 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। इस वनडे सीरीज के लिए टीम में रोहित शर्मा और विराट कोहली के शामिल होने की संभावना है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले 30 सितंबर से 5 अक्टूबर तक ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ कानपुर में होने वाली अनऑफिशियल वनडे सीरीज में खेलने की इच्छा जताई है। ऑस्ट्रेलिया-ए सितंबर में भारत दौरे पर आएगी, जहां वे भारत-ए टीम के साथ दो अनऑफिशियल टेस्ट और तीन वनडे मैच खेलेंगी। दोनों टेस्ट मैच लखनऊ में आयोजित होंगे, जबकि तीनों वनडे मैच कानपुर में खेले जाएंगे।

विजय हजारे ट्रॉफी में भी खेलेंगे रोहित?

रिपोर्ट्स में यह भी बताया गया है कि रोहित शर्मा इस अनऑफिशियल वनडे सीरीज में खेलने के इच्छुक हैं ताकि वे ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए अच्छी तैयारी कर सकें। इसके अलावा खबरें हैं कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज उनके वनडे करियर की आखिरी सीरीज हो सकती है। बीसीसीआई रोहित को दिसंबर 2025 में शुरू होने वाली विजय हजारे ट्रॉफी में खेलने के लिए भी प्रोत्साहित कर सकता है, ताकि वे वनडे टीम में अपनी जगह बनाए रखें।

वनडे में रोहित शर्मा का शानदार रिकॉर्ड

टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा का वनडे रिकॉर्ड बेहद प्रभावशाली है। अब तक उन्होंने 273 वनडे मैच खेले हैं, जिनमें 265 पारियों में 48.76 की औसत से 11,168 रन बनाए हैं। इसमें उनके 32 शतक और 58 अर्धशतक शामिल हैं। रोहित का सर्वश्रेष्ठ स्कोर 264 रन है, जो वनडे इतिहास के सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर में से एक है।

पृथ्वी शॉ ने बुची बाबू में ठोका शतक, चेन्नई से खास कनेक्शन का किया खुलासा

मुम्बई (एजेंसी)। पृथ्वी शॉ ने प्रतिष्ठित बुची बाबू ट्रॉफी में महाराष्ट्र के लिए अपने पहले मैच में शतक जड़कर बल्ले से दमदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने चेन्नई के आईसी गुरुनानक कॉलेज ग्राउंड में यह उपलब्धि हासिल की और शहर के साथ अपने खास रिश्ते को याद किया। 2018 में अपने पहले टेस्ट शतक के बाद 25 वर्षीय इस खिलाड़ी का करियर असंगत प्रदर्शन, अनुशासनात्मक मुद्दों और फिटनेस संबंधी चिंताओं के कारण पटरी से उतर गया है।

इस साल की शुरुआत में मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (MCA) ने उन्हें अपनी रणजी टीम से बाहर कर दिया था जिसके बाद शॉ को एक नई शुरुआत की तलाश में महाराष्ट्र जाने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) लेना पड़ा। महाराष्ट्र के लिए अपने पहले मैच में पृथ्वी शॉ ने चेन्नई के आईसी गुरु नानक कॉलेज ग्राउंड में छत्तीसगढ़ के खिलाफ 141 गेंदों पर 111 रनों की पारी खेली जिससे उनकी नई टीम को संघर्ष करने का मौका मिला। छत्तीसगढ़ के 252 रनों के जवाब में महाराष्ट्र 217 रन ही बना सका।

चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) द्वारा सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो में शॉ ने खुलासा किया कि IPL 2019 में पहली बार चेन्नई में कदम रखने के बाद से ही यह उनके दिल के बहुत करीब रहा है। शॉ ने कहा, 'चेन्नई में गर्मी जरूर है, लेकिन यह वाकई बहुत अच्छा लगता है क्योंकि मैंने यहां हमेशा रन बनाए हैं। मुझे लगता है कि चेन्नई मेरे लिए काफी खास है। चेन्नई में खेलने का मेरा पहला अनुभव शायद IPL 2019 के दौरान था। हम चेपाक में खेले थे। वाकई बहुत अच्छा अनुभव था।'

इतना ही नहीं शॉ ने कहा कि वह महाराष्ट्र के लिए ज्यादा से ज्यादा रन बनाना चाहते हैं, क्योंकि टीम ने उन्हें वापसी का मौका दिया है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि (बुची बाबू में खेलना) वाकई एक अच्छा अनुभव है। एक शानदार टूर्नामेंट। रणजी सीजन से पहले, ऐसा होता है। मैंने अभी अपना पहला मैच खेला है और यह एक अच्छा अनुभव है क्योंकि रणजी सीजन शुरू होने से पहले आपको बहुत अच्छा अभ्यास मिलता है। महाराष्ट्र के लिए यह मेरा पहला मैच है, शतक लगाना वाकई खास लगता है। मुझे उम्मीद है कि रणजी ट्रॉफी और आने वाले मैचों तक यह सिलसिला जारी रहेगा।'

बीसीसीआई ने चयन समिति के प्रमुख अगरकर का अनुबंध एक साल बढ़ाया

मुम्बई (एजेंसी)। एशिया कप के लिए भारतीय टीम के चयन के बाद ही बीसीसीआई ने मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर का अनुबंध जून 2026 तक बढ़ा दिया है। अगरकर के चयन समिति प्रमुख बनने के बाद भारतीय टीम ने भारत ने 2024 में टी20 विश्व कप और इस साल की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर आईसीसी ट्रॉफी जीती थी। अगरकर के कार्यकाल में ही भारतीय टेस्ट टीम भी बेहतर हुई है और उसने साल 2023 विश्व कप के फाइनल में स्थान बनाया था। इन सभी उपलब्धियों को देखते हुए ही अगरकर का अंनुबंध बढ़ाया गया है।

एक रिपोर्ट के अनुसार आईपीएल 2025 से पहले ही अगरकर के अनुबंध को बढ़ाने की बात हो गई थी, जिसे मंजूर कर लिया है। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, अगरकर के कार्यकाल में भारतीय टीम को का टेस्ट और टी20 में प्रदर्शन अच्छा रहा। इसी कारण बोर्ड ने उनका अनुबंध एक साल के लिए बढ़ा दिया है। अगरकर ने भी ये प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है। अगरकर के कार्यकाल में ही विराट कोहली और रोहित शर्मा ने टी20 और टेस्ट से संन्यास लिया जिससे भारतीय टीम इन प्रारुपों में दो नये कप्तान मिले। टेस्ट में शुभमन गिल जबकि टी20 में सूर्यकुमार यादव को यह जिम्मेदारी मिली और ये दोनो ही सफल रहे। वहीं रोहित-विराट अब एकदिवसीय में ही खेल रहे हैं और आने वाले समय में यहां भी बड़े बदलाव हो सकते हैं। देखना है कि इन दोनो को अगले विश्वकप तक के लिए जगह मिलती है या नहीं।

वर्तमान समय में चयन समिति में अगरकर के अलावा एसएस दास, सुब्रतो बनर्जी, अजय रात्रा और एस शरत जैसे खिलाड़ी शामिल हैं पर माना जा रहा है कि सितंबर में होने वाली वार्षिक आम सभा की बैठक के बाद चयन समिति में कुछ बदलाव होंगे। शरत के अब चार साल पूरे होने को है। ऐसे में उनकी जगह पर किसी नये व्यक्ति को ये जिम्मेदारी मिल सकती है। बीसीसीआई आगे चलकर नए सिरे से आवेदन आमंत्रित करेगा। तभी तय होगा कि कौर से सदस्य बदले जाते हैं।

एशिया कप में भाग लेने भारतीय टीम को नहीं रोकेंगे : खेल मंत्रालय

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। खेल मंत्रालय ने गुरुवार को कहा है कि पाकिस्तान से द्विपक्षीय खेल नहीं होंगे, मगर एशिया कप में भारतीय टीम को भाग लेने से रोका नहीं जा सकता है। खेल मंत्रालय ने भारत के अंतरराष्ट्रीय खेल संबंधों के संबंध में नई नीति जारी की है। सूत्रों के अनुसार यह नीति तुरंत प्रभावी हो गई है।, खेल मंत्रालय की नीति में कहा गया है, पाक से जुड़े खेल आयोजनों में भारत का रवैया उसी व्यापक नीति को दिखाता है जो उस देश के साथ भारत के संबंधों में अपनाई गई है। जहां तक दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय खेल आयोजनों का सवाल है, तो भारतीय टीम पाकिस्तान में होने वाले मुकाबलों में हिस्सा नहीं लेगी। पाकिस्तान की टीम को भारत में द्विपक्षीय मैच खेलने की अनुमति नहीं पाएंगी।

हालांकि, बहुपक्षीय खेल आयोजनों पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। मंत्रालय ने कहा, हम भारतीय क्रिकेट टीम को एशिया कप में खेलने से नहीं रोकेंगे, क्योंकि यह एक बहुदेशीय प्रतियोगिता है। उन्होंने आगे कहा, पाक को द्विपक्षीय मुकाबलों के लिए भारतीय धरती पर खेलने की अनुमति नहीं दी जाएगी, लेकिन बहुपक्षीय आयोजनों में उनकी भागीदारी पर रोक नहीं होगी क्योंकि हम ओलंपिक चार्टर का पालन करेंगे।

इससे एशिया कप में भारतीय टीम के खेलने को लेकर रहा सहा संशय भी समाप्त हो गया है क्योंकि एशिया कप के लिए टीम की घोषणा के बाद से ही इसका विरोध भी तेज हो गया था। प्रशंसकों का मानना था कि क्रिकेट टीम को पाकिस्तान के खिलाफ 14 सितंबर को होने वाले मैच से पीछे हट जाना चाहिए। प्रशंसकों के अनुसार आतंक वाद जारी रहने तक पाक के साथ किसी भी तरह का कोई खेल या कोई भी संबंध नहीं रखना चाहिए। वहीं खेल मंत्रालय ने साफ कर दिया है कि पाक के साथ द्विपक्षीय खेल मुकाबले नहीं होंगे, लेकिन भारतीय क्रिकेट टीम को एशिया कप में खेलने से नहीं रोका जाएगा।

भारत के गिरीश ने एशियाई निशानेबाजी में स्वर्ण जीता

शिमकेन । भारतीय निशानेबाज गिरीश गुप्ता ने 16वीं एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप 2025 में स्वर्ण पदक जीता है। गिरीश ने 10 मीटर एयर पिस्टल यूथ इवेंट में 241.3 अंक के साथ ही स्वर्ण पदक अपने नाम किया। 17 साल के गिरीश ने ये उपलब्धि अपनी पहली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में ही हासिल की है। गिरीश ने फाइनल में 241.3 अंक हासिल कर नंबर एक स्थान हासिल किया। इस प्रदर्शन के बल पर इस खिलाड़ी ने भारत के लिए एक पदक जीता है। गिरीश ने व्यक्तिगत स्वर्ण के साथ-साथ 10 मीटर एयर पिस्टल यूथ टीम इवेंट में रजत पदक और मिश्रित युगल टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक भी जीता। इस तरह उन्होंने कुल 2 स्वर्ण और 1 सिल्वर जीते हैं। इस प्रतियोगिता के पहले दिन ही भारतीय टीम ने कुल 2 स्वर्ण और 3 रजत पदक जीते। गिरीश की सफलता से भारत के अन्य निशानेबाजों को भी प्रेरणा मिली है। गिरीश राजस्थान से हैं। ऐसे में उनकी इस सफलता से प्रदेश में खुशी का महौल है।

एशिया कप के लिए शामिल नहीं किये जाने के बाद श्रेयस ने निराशा जतायी

नई दिल्ली। बल्लेबाज श्रेयस अय्यर एशिया कप 2025 के लिए टीम में जगह नहीं मिलने से निराश हैं। श्रेयस ने पिछले कुछ समय में शानदार प्रदर्शन किया था जिससे उनके चयन की उम्मीदें जतायी जा रही थीं पर ऐसा हुआ नहीं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को टूर्नामेंट के लिए जो 15 सदस्यीय टीम घोषित की है। उसमें श्रेयस का नाम नहीं था। श्रेयस ने इस साल आईपीएल में भी शानदार बल्लेबाजी करते हुए पंजाब किंग्स को उनके दूसरे सत्र के फाइनल में पहुंचाया और 175.07 की शानदार स्ट्राइक रेट से 600 से अधिक रन बनाए। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में भी उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था। इसके बाद भी उन्हें टीम में जगह नहीं मिलने पर कई पूर्व क्रिकेटरों और प्रशंसकों ने भी नाराजगी जतायी है। टीम चयन के बाद उनका उनकी पहली प्रतिक्रिया आई है। पंजाब किंग्स ने भी इसे साझा किया है। पंजाब किंग्स ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अपने कप्तान का ये वीडियो साझा किया। उसने इसे 'सरपंच साब' कैप्शन दिया हैं। श्रेयस को उनके करीबी प्यार से सरपंच साब नाम से बुलाते हैं। वहीं इससे पहले चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने कहा था कि श्रेयस की कोई गलती नहीं थी। अभी टीम में जगह नहीं है इसलिए उसे जगह नहीं मिली। उसे अपने अवसर की प्रतीक्षा करनी होगी। अगरकर ने कहा, 'श्रेयस के बारे में, मेरा कहना है कि उसकी गलती नहीं है, न ही हमारी। बस हमें इस समय 15 खिलाड़ियों का चयन करना है जो हमारे पास हैं। इसलिए उसे अपने मौके का इंतजार करना होगा।' गौरतलब है कि श्रेयस ने अंतिम बार दिसंबर 2023 में एक टी20आई मैच खेला था उसके बाद से ही वह जगह का इंतजार कर रहे हैं। वह मध्य क्रम के एक बेहतरीन बल्लेबाज हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उन्होंने 30.66 की औसत और 136.12 की स्ट्राइक रेट से 1,104 रन बनाए हैं जिससे उनकी क्षमताओं का अंदाजा होता है।

एशिया कप के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम का ऐलान, सलीमा टेटे को मिली कप्तानी

नई दिल्ली(एजेंसी)। अनुभवी मिडफील्डर सलीमा टेटे को चीन के हांगझोउ में पांच से 14 सितंबर तक होने वाले एशिया कप के लिए बृहस्पतिवार को 20 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान बरकरार रखा गया। यह टूर्नामेंट काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसका विजेता 2026 एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेगा। भारत को पूल बी में रखा गया है जहां उसका सामना जापान, थाईलैंड और सिंगापुर से होगा।

टीम अपने अभियान की शुरुआत 5 सितंबर को थाईलैंड के खिलाफ करेगी और फिर छह सितंबर को जापान से भिड़ेगी। भारत अपना अंतिम पूल मैच आठ सितंबर को सिंगापुर के खिलाफ खेलेगा। हॉकी इंडिया द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने कहा, 'हांगझोउ में होने वाले महिला एशिया कप के लिए हमने जो टीम चुनी है उसे लेकर हम उत्साहित हैं।'

सलीमा पिछले साल कप्तान नियुक्त होने के बाद से टीम का अभिन्न अंग रही हैं।

हरेंद्र ने कहा, 'यह टीम कड़ी मेहनत से प्रशिक्षण ले रही है और हमने अनुभवी खिलाड़ियों तथा युवा प्रतिभाओं के बीच सही संतुलन बनाने की कोशिश की है।' उन्होंने कहा, 'हमारा ध्यान आक्रामक और अनुशासित हॉकी खेलने पर होगा और हमारा मानना है कि यह टीम एशिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ मजबूती से मुकाबला करने की क्षमता रखती है।'

टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का संतुलित मिश्रण है जिसमें गोलकीपिंग की जिम्मेदारी बंसारी सोलंकी और बिचु देवी खारीबाम पर होगी। रक्षा पंक्ति में निक्की प्रधान और उदिता जैसी अनुभवी खिलाड़ी होंगी जिनका साथ युवा मनीषा चौहान, ज्योति, सुमन देवी थोडम और इशिका चौधरी देंगी। मिडफील्ड में नेहा, सलीमा, लालरेमसियामी, शर्मिला देवी, सुनेलिटा टोप्पो और वैष्णवी विट्ठल फाल्के जैसी मजबूत खिलाड़ी हैं।

अग्रिम पंक्ति में अनुभवी और उभरते सितारों का मिश्रण है जिसमें नवनीत कौर, संगीता कुमारी, मुमताज खान, दीपिका, ब्यूटी डुंगडुंग और रुतजा दादासो पिसल शामिल हैं। हालांकि अनुभवी खिलाड़ी सविता और सुशीला चानू टीम का हिस्सा नहीं हैं। ये दोनों एफआईएच प्रो लीग के यूरोपीय चरण में खेली थी।

महिला एशिया कप के लिए भारतीय टीम

गोलकीपर: बंसारी सोलंकी, बिचु देवी खारीबाम

डिफेंडर : मनीषा चौहान, उदिता, ज्योति, सुमन देवी थोडम, निक्की प्रधान, इशिका चौधरी

मिडफील्डर : नेहा, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, सलीमा टेटे, शर्मिला देवी, लालरेमसियामी, सुनेलिटा टोप्पो

फारवर्ड : नवनीत कौर, रुतजा दादासो पिसल, ब्यूटी डुंगडुंग, मुमताज खान, दीपिका और संगीता कुमारी।

फ्रांसीसी फॉरवर्ड ह्यूगो एकिटिके अब लिवरपूल की ओर से खेलते हुए नजर आयेंगे

लंदन । फ्रांसीसी फॉरवर्ड ह्यूगो एकिटिके अब फुटबॉल क्लब लिवरपूल की ओर से खेलते हुए नजर आयेंगे। प्रीमियर लीग विजेता लीवरपूल ने ने आइंट्राख्ट फ्रैंकफर्ट के स्ट्राइकर एकिटिके से करार किया है। यह सौदा करीब 79 मिलियन पाउंड में हुआ। लिवरपूल ने इस फैसले की घोषणा सोशल मीडिया पर की और कहा कि उसने फ्रैंकफर्ट के फॉरवर्ड एकिटिके के ट्रांसफर के लिए एक करार किया है। क्लब ने कहा कि एकिटिके मेडिकल टेस्ट में पास हो गये हैं और लिवरपूल के साथ व्यक्तिगत शर्तों पर भी वह तैयार हैं। अब वह इस सप्ताह के अंत में एशिया के प्री-सीजन दौरे पर हांगकांग जा सकेंगे। लिवरपूल के नए मैनेजर आर्ने स्लॉट के अनुसार ये चौथा बड़ा ट्रांसफर है। इससे पहले क्लब ने फ्लोरियन विर्ट्ज को करीब 110 मिलियन पाउंड में खरीदा था। उनके अलावा डिफेंडर मिलोस केरकेज और जरेमी फ्रिमपोंग से भी करार किया। फ्रांसीसी फॉरवर्ड ह्यूगो एकिटिके, किसी भी पोजीशन पर खेल सकते हैं। उन्होंने पिछले सीजन में 48 मैचों में 22 गोल किए और एक दर्जन से अधिक गोलों में सहायोग दिया। लिवरपूल ने इस ट्रांसफर विंडो में अब तक 250 मिलियन पाउंड से ज्यादा खर्च कर दिए हैं।

अक्षर को बिना किसी गलती के उपकप्तानी से हटाना निराशाजनक : कैफ

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है कि स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल को बिना किसी गलती के टी20 टीम की उपकप्तानी से हटाना सही नहीं है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एशिया कप के लिए जो टीम चयनित की है उसमें अक्षर को हटाकर शुभमन गिल को उपकप्तानी दे दी गयी है। कैफ ने टी20 टीम में कुछ महीने पहले तक उपकप्तान रहे अक्षर को पद से हटाने पर नाराजगी जाहिर करते हुए पूछा है कि उसकी गलती क्या थी? अक्षर को इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज में भारतीय टीम का उपकप्तान बनाया गया था। कैफ ने कहा है कि उम्मीद है कि अक्षर को उपकप्तान के पद से हटाने के बारे में पहले बता दिया गया होगा। अक्षर ने कुछ भी गलत नहीं किया था और इसलिए वह जानने का अधिकारी था कि उससे क्यों जिम्मेदारी वापस ली गयी है। अक्षर ने अपने दमदार प्रदर्शन से टीम में अपनी जगह पक्की की है। उन्होंने 2024 टी20 विश्व कप में बेहतरीन प्रदर्शन किया था। वह इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच रहे थे। तब उन्होंने चार ओवर में 23 रन देकर तीन विकेट लिए। उन्होंने फाइनल में बल्ले से भी कमाल दिखाते हुए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 31 गेंद में 47 रन बनाये थे।

इंग्लैंड ने महिला विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय टीम घोषित की, हीथर नाइट की वापसी

आगामी महिला वनडे वर्ल्ड 2025 के लिए इंग्लैंड ने अपनी 15 सदस्यीय महिला टीम का ऐलान कर दिया है। जहां पूर्व कप्तान हीथर नाइट को स्क्वॉड में जगह मिली है। वहीं टीम में साराह ग्लेन और डेनी व्याट-हॉज की भी वापसी हुई है। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ECB) द्वारा जारी प्रेस रिलीज के अनुसार नाइट को टीम में शामिल किया गया है लेकिन उनकी चोट से उबरने की प्रक्रिया जारी है और उन्हें 30 सितंबर से दो नवंबर तक होने वाले टूर्नामेंट के लिए पूरी तरह फिट होने की उम्मीद है। साथ ही टीम में शामिल चार अनुभवी स्पिनरों में से ग्लेन एक हैं। वह उन छह खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें पहली बार विश्व कप टीम में जगह मिली है। इसके अलावा यह कप्तान के रूप में नैट स्किवर-ब्रंट का पहला आईसीसी टूर्नामेंट है। बता दें कि, दुनिया की नंबर एक वनडे बल्लेबाज स्किवर-ब्रंट को अप्रैल में सभी प्रारूप का कप्तान नियुक्त किया गया था। व्याट-हॉज की भी टीम में वापसी हुई है। वह इंग्लैंड की ओर से पिछली बार 50 ओवर के प्रारूप में ऑस्ट्रेलिया में एशेज सीरीज में हार के दौरान खेली थी। केट क्रॉस, माइया बूचियर और एलिस डेविडसन-रिचर्ड्स को टीम में जगह नहीं मिली है। यह टूर्नामेंट नई कप्तान स्किवर-ब्रंट और मुख्य कोच चार्लोट एडवर्ड्स में मार्गदर्शन में देश का पहला विश्व कप होगा। ऑस्ट्रेलिया ने 2022 के फाइनल में इंग्लैंड को हराकर खिताब जीता था। एडवर्ड्स ने कहा कि, विश्व कप में अपने देश के लिए खेलना खेल जगत के सबसे बड़े सम्मान में से एक है और मैं टीम में शामिल सभी खिलाड़ियों के लिए बहुत खुश हूं। इंग्लैंड की कोच ने आगे कहा कि, सभी वैश्विक टूर्नामेंटों की तरह यह एक बड़ी चुनौती होगी लेकिन हम भारत में जितना हो सके उतना आगे बढ़ना चाहते हैं और मेरा मानना है कि अगर हम अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलेंगे तो हम किसी से भी मुकाबला कर सकते हैं।

इंग्लैंड टीम इस प्रकार है- नैट स्किवर-ब्रंट (कप्तान), एम अर्लोट, टैमी ब्यूमोंट, लॉरेन बेल, एलिस कैप्सी, चार्ली डीन, सोफिया डंकले, सोफी एकलेस्टोन, लॉरेन फाइलर, सारा ग्लेन, एमी जोन्स, हीथर नाइट, ऐमा लैम्ब, लिन्सी स्मिथ, डैनी व्याट-हॉज।

विश्व चैंपियनशिप से पहले होगा सभी महिला मुक्केबाजों का होगा लिंग परीक्षण

लॉस एंजिलिस (एजेंसी)। ओलंपिक शैली की मुक्केबाजी की नियामक संस्था 'वर्ल्ड बॉक्सिंग' अगले महीने होने वाली विश्व चैंपियनशिप में महिला वर्ग में प्रतिस्पर्धा करने वाली सभी मुक्केबाजों के लिए लिंग परीक्षण अनिवार्य करेगी। 'वर्ल्ड बॉक्सिंग' (विश्व मुक्केबाजी) ने पहले ही अपनी योजना की घोषणा कर दी है जिसके तहत प्रतियोगियों को जन्म के समय के लिंग का निर्धारण करने के लिए पॉलीमरेज चेन रिएक्शन टेस्ट या उसी तरह के आनुवंशिक स्क्रीनिंग टेस्ट से गुजरना होगा।

'वर्ल्ड बॉक्सिंग' ने बुधवार को घोषणा की कि ये नियम सितंबर की शुरुआत में इंग्लैंड के लिवरपूल में होने वाली विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप से पहले लागू किए जाएंगे। इन परीक्षण से जैविक लिंग के सूचक के रूप में वाई गुणसूत्र की उपस्थिति या अनुपस्थिति की पहचान की जाती है। 'वर्ल्ड बॉक्सिंग' के अध्यक्ष बोरिस वान डेर वोर्स्ट ने कहा, 'विश्व मुक्केबाजी सभी खिलाड़ियों की गरिमा का सम्मान करती है और यह सुनिश्चित करने की कोशिश करती है कि यह यथासंभव समावेशी हो।'

उन्होंने कहा, 'फिर भी मुक्केबाजी जैसे खेल में सुरक्षा और प्रतिस्पर्धात्मक निष्पक्षता सुनिश्चित करना हमारा कर्तव्य है और इसलिए यह नियम बनाया गया है।' पेरिस ओलंपिक चैंपियन अल्जीरिया की इमान खलीफ ने जून में नीदरलैंड में एक टूर्नामेंट में भाग लेने से इनकार कर दिया था। यह फैसला उस समय लिया गया जब शासी निकाय ने लिंग परीक्षण शुरू करने की अपनी योजना की घोषणा की थी।

बाद में वान डेर वोर्स्ट ने विश्व मुक्केबाजी की भविष्य की परीक्षण योजनाओं का जिक्र करते हुए खलीफ का नाम लेने के लिए माफी मांगी। खलीफ ने पहले टूर्नामेंट में भाग लेने की योजना बनाई थी। खलीफ और ताइवान की स्वर्ण पदक विजेता लिन यू-टिंग ने पेरिस ओलंपिक में उनके लिंग को लेकर गलत धारणा के बावजूद शानदार प्रदर्शन किया था। 26 वर्षीय खलीफ ने बार-बार कहा है कि वह एक महिला के रूप में पैदा हुई हैं और उन्होंने लगभग एक दशक तक महिला एमेच्योर मुक्केबाजी के सभी स्तरों पर प्रतिस्पर्धा की है।

ओलंपिक खेलों में पहले गुणसूत्र परीक्षण आम था, लेकिन 1990 के दशक में इससे किनारा कर दिया गया था क्योंकि ठोस परिणाम पर नहीं पहुंचा जा रहा था। कई खेलों ने लिंग योग्यता निर्धारित करने के लिए हार्मोन परीक्षण का सहारा लिया, लेकिन इन परीक्षणों के लिए नियामक निकायों को उन खिलाड़ियों को लेकर कड़ा फैसला करना पड़ता है जिनमें टेस्टोस्टेरोन का स्तर अधिक पाया जाता है। 'वर्ल्ड बॉक्सिंग' ने इसके साथ ही कहा कि परीक्षण कराने और परिणाम प्रस्तुत करने की जिम्मेदारी राष्ट्रीय महासंघों की है। इस साल की शुरुआत में विश्व एथलेटिक्स गुणसूत्र परीक्षण को फिर से शुरू करने वाला पहला ओलंपिक खेल बना था।

यंग एक्ट्रेस के साथ काम करने पर बोले माधवन

एक्टर आर. माधवन ने हाल ही में अपनी उम्र, करियर के फैसलों और रिश्तों में बराबरी को लेकर खुलकर बात की। माधवन हाल ही में फिल्म आप जैसा कोई में नजर आए थे। इस फिल्म में उन्होंने 40 साल के एक ऐसे शख्स का रोल निभाया जो दुल्हन की तलाश में है। बातचीत में उन्होंने कहा, सबसे पहले आपको उम्र का एहसास तब होता है जब आपके बच्चों के दोस्त आपको अंकल बुलाने लगते हैं। ये सुनकर झटका लगता है, लेकिन फिर आपको मानना पड़ता है। माधवन ने बताया कि इस एहसास का असर उनके काम पर भी पड़ा। उन्होंने कहा, जब आप फिल्में करते हैं तो हीरोइन चुनने में सावधानी रखनी पड़ती है। क्योंकि भले ही वे अभी भी आपके साथ काम करना चाहती है, लेकिन ऐसा लगता है कि एक्टर फिल्म के बहाने मस्ती कर रहा है। लोगों को लगता है कि ये पिक्चर के बहाने ऐश कर रहा है। अगर फिल्म से ऐसा मैसेज जाता है, तो किरदार के लिए रिस्पेक्ट नहीं रहती। उन्होंने कहा आगे ये भी कहा, मुझे ये भी समझ आ गया है कि अब मेरा शरीर 22 साल के लड़के जैसा नहीं है। इसलिए मेरे लिए जरूरी है कि मैं वही काम करूं जो मेरी उम्र और जिन लोगों के साथ मैं काम कर रहा हूं, उनके हिसाब से सही लगे, ताकि चीजें अजीब या गलत न लगें।

माधवन ने अपनी शादी और रिश्ते की बराबरी पर भी विचार शेयर किए। उन्होंने कहा कि मेरे माता-पिता भी एक-दूसरे से गहराई से प्यार करते थे। वही चीज मैं और मेरी पत्नी सरिता में भी है, लेकिन मेरे पिता के समय जो बराबरी का मतलब था, वह आज अलग है। अब हमें खुद तय करना पड़ता है कि बराबरी का असली मतलब क्या है। उन्होंने एक उदाहरण देते हुए कहा कि कभी-कभी दरवाजा खोलना या किसी महिला के लिए दरवाजा पकड़ना कुछ लोगों को बुरा लग सकता है, लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि आदमी कुछ गलत करना चाहता है, वो तो बस अपने तौर-तरीके निभा रहा होता है। हमारी पितृसत्तात्मक सोच वाली समाज में, अगर कोई पति अपनी पत्नी को काम करने देता है तो उसे बड़ा दिल वाला माना जाता है, लेकिन सही तरीका ये है कि कहें- 'मुझे गर्व है कि मेरी पत्नी काम कर रही है।

एक चतुर नार के लिए झुग्गी झोपड़ी में रहीं दिव्या खोसला

अक्सर फिल्मी जगत में कई हस्तियां अपने किरदारों के लिए काफी मेहनत और तैयारी करते हैं। कोई अपनी बॉडी पर काम करता है तो कोई अपनी भाषा पर। अभिनेत्री दिव्या खोसला ने भी अपनी आने वाली फिल्म 'एक चतुर नार' के लिए कुछ ऐसा ही किया है, लेकिन उनकी रोल के लिए तैयारी ने थोड़ा चौंका दिया है। दरअसल दिव्या ने खुलासा किया है कि उन्होंने फिल्म के किरदार को समझने के लिए लखनऊ की एक झुग्गी में रहकर वहां की जिंदगी को महसूस किया।

किरदार में ढलने के लिए असली जिंदगी का अनुभव

'एक चतुर नार' में दिव्या एक झुग्गी में रहने वाली महिला की भूमिका निभा रही हैं। इस किरदार को असली बनाने के लिए उन्होंने केवल स्क्रिप्ट पर भरोसा नहीं किया, बल्कि खुद उस जिंदगी को जिया। लखनऊ की एक झुग्गी में बिना मेकअप, साधारण सलवार-कमीज और गले में काले धागे के साथ कुछ दिन बिताए, ताकि वह किरदार की भावनाओं और परिस्थितियों को गहराई से समझ सकें। अपने सोशल मीडिया पर उन्होंने इस अनुभव को साझा करते हुए लिखा, यह एक अनोखा और जीवन बदल देने वाला अनुभव रहा। इसने मुझे उस जीवन की झलक दिखाई, जो अक्सर हमारी आंखों से दूर होता है।

12 सितंबर को होगी रिलीज

'एक चतुर नार' को उमेश शुक्ला, आशीष वाघ और जीशान अहमद ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 12 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हालांकि कहानी के बारे में ज्यादा जानकारी अभी साझा नहीं की गई है, लेकिन फिल्म का टोन हल्का-फुल्का, चुटीला और शायद कुछ हद तक व्यंग्यात्मक भी नजर आ रहा है।

फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर आया सामने

फिल्म के पहले पोस्टर में दिव्या एक गृहिणी के किरदार में नजर आ रही हैं। उनके हाथों में सब्जियां हैं और चेहरे पर एक मुस्कान। वहीं, नील नितिन मुकेश, जो इस फिल्म में उनके साथ मुख्य भूमिका में हैं, फॉर्मल सूट में बंदूक थामे खड़े हैं। पोस्टर से ही साफ है कि यह फिल्म किसी गंभीर विषय को पर्दे पर लेकर आने वाली है।

नोरा फतेही का 'डांस विद नोरा' अकादमी खोलने का सपना हुआ साझा

ग्लोबल स्टार और परफॉर्मर नोरा फतेही ने इस हफ्ते अपने फैंस को एक यादगार तोहफ़ा दिया। 'ओह मामा! टेटेमा' सिंगर नोरा अचानक मुंबई के कई डांस स्टूडियोज़ में पहुँचीं और वहाँ मौजूद डांसर्स को उनके लेटेस्ट कोरियोग्राफी पर डांस करते देखकर भावुक हो गईं। उनकी इस अप्रत्याशित मौजूदगी ने साधारण वर्कशॉप को एक जादुई अनुभव में बदल दिया। फैंस के प्यार और उनकी कहानियाँ सुनकर नोरा ने पहली बार यह खुलासा किया कि वह अपनी खुद की 'डांस विद नोरा' अकादमी शुरू करना चाहती हैं। सोशल मीडिया पर इस अनुभव को साझा करते हुए उन्होंने लिखा— यह मुझे जल्द से जल्द अपनी डांस विद नोरा अकादमी शुरू करने के लिए प्रेरित कर रहा है। आप सभी का इतना प्यार देने के लिए शुक्रिया! आप सब से मिलकर मैं खुद को सबसे भाग्यशाली महसूस कर रही हूँ।

नोरा के सरप्राइज़ विजिट के दौरान स्टूडियो का माहौल भावनाओं से भर गया। कुछ फैंस की आँखों में आँसू थे तो कुछ की मुस्कान में खुशी छलक रही थी। लोगों को विश्वास ही नहीं हो रहा था कि उनकी फेवरेट स्टार उनके साथ स्टूडियो में डांस कर रही हैं। विशेष बात यह रही कि नोरा ने सिर्फ हाथ हिलाकर या सेल्फी देकर ही अपने फैंस को खुश नहीं किया, बल्कि खुद डांस वर्कशॉप्स में हिस्सा लिया। बच्चों और युवाओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर डांस किया और उनके व्यक्तिगत अनुभव भी सुने। यही जुड़ाव उन्हें औरों से अलग करता है। नोरा का 'डांस विद नोरा' कैंपेन पहले ही बच्चों और युवाओं को अपनी कला दिखाने का मंच दे चुका है। वह न सिर्फ उनकी वीडियोज़ को रीपोस्ट करके उन्हें प्रोत्साहित करती हैं, बल्कि मौके पर पहुँचकर उनकी मेहनत को सराहती भी हैं। जहाँ एक ओर उनकी गाने 'ओह मामा! टेटेमा' की धूम दुनिया भर में मची हुई है और आने वाली फ़िल्म 'कंचना 4' से उनका करियर और बुलंदियों पर पहुँचने वाला है, वहीं मुंबई के वे स्टूडियो और वहाँ मौजूद फैंस के लिए असली जादू उनकी सादगी और अपनापन रहा।

आलिया भट्ट-शरवरी की फिल्म में नजर आएंगे बॉबी देओल

बॉलीवुड की मच अवेटेड फिल्म वॉर 2 सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है और इसके साथ ही यशराज फिल्म्स की एक और स्पाई यूनिवर्स की फिल्म को लेकर भी नई जानकारी सामने आ रही है। वॉर 2 के पोस्ट-क्रेडिट सीन में अभिनेता बॉबी देओल भी नजर आ रहे हैं। हालांकि ये कोई मामूली झलक नहीं बल्कि आलिया भट्ट और शरवरी वाघ की अपकमिंग फिल्म अल्फा को लेकर बड़ा अपडेट रहा। क्या है पूरा मामला, चलिए आपको बताते हैं। ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर की फिल्म वॉर 2 के पोस्ट-क्रेडिट सीन का एक सीन वायरल हो रहा है, जिसमें बॉबी देओल की शक्ल साफ तौर पर देखी जा रही है। इस सीन में बॉबी देओल एक लड़की के हाथ पर एंजेसी का स्टैंप लगाते हुए नजर आ रहे हैं। जब लड़की उनसे पूछती हैं कि ये क्या है तो वो अल्फा का नाम लेते हैं।

चमत्कारों में विश्वास करती हूं

टीवी एक्ट्रेस श्रद्धा आर्या जन्मदिन इस बार उनके लिए बेहद खास रहा, क्योंकि उन्होंने पहली बार अपने जुड़वां बच्चों, बेटे शौर्य और बेटी सिया, के साथ जश्न मनाया। श्रद्धा ने अपने परिवार के साथ इस खूबसूरत पल की तस्वीरें सोशल मीडिया हैंडल पर साझा कीं। श्रद्धा आर्या ने इंस्टाग्राम पर अपने पति और दोनों जुड़वां बच्चों के साथ बेहद ही प्यारी तस्वीरें शेयर कीं। श्रद्धा ने काली ऑफ-शोल्डर ड्रेस में बेहद खूबसूरत लग रही हैं, जबकि उनके पति राहुल नागल ने काली शर्ट और नीली जींस पहनी हुई है। दोनों अपने बच्चों के साथ कैमरे के सामने मुस्कुराते नजर आए। श्रद्धा ने लिखा, एक और साल बड़ी हो गई, लेकिन इस बार मेरा सबसे प्यारा नाम है - मां। मेरे जुड़वां बच्चे मेरे लिए सबसे बड़ा जश्न हैं।

श्रद्धा को सेलेब्स ने दी जन्मदिन की बधाई

श्रद्धा आर्या को कई सेलेब्स ने जन्मदिन की बधाई देते हुए कमेंट किए हैं। मीका सिंह ने लिखा, बधाई हो, मौनी रॉय ने दिल वाले इमोजी शेयर बनाए, पूजा बनर्जी ने लिखा, खूबसूरत बच्चे और खूबसूरत मां और माही विज ने लिखा, जन्मदिन मुबारक हो मां। वहीं कई फैंस ने श्रद्धा को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं और कुछ फैंस ने उनकी इस पोस्ट पर लाल दिल वाले इमोजी बनाए हैं।

श्रद्धा आर्या का निजी जीवन

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, श्रद्धा की निजी जिंदगी की बात करें तो 2015 में उनकी सगाई जयंत रत्ती से हुई थी, लेकिन यह टूट गई। 2019 में उन्होंने आलम सिंह मक्कड़ के साथ रिश्ता शुरू किया, लेकिन वह भी ज्यादा समय नहीं चला। आखिरकार, 16 नवंबर 2021 को श्रद्धा ने भारतीय नौसेना अधिकारी राहुल नागल से शादी की। सितंबर 2024 में उन्होंने बताया कि वे अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रहे हैं और 29 नवंबर 2024 को उनके जुड़वां बच्चों का जन्म हुआ।

हर आदमी-औरत को एक-दूसरे की जरूरत है

टीवी शो कहीं तो होगा से ऐक्ट्रेस सुरवीन चावला ने करियर शुरू किया था। इसके बाद हेट स्टोरी-2, अग्ली जैसी फिल्मों से उन्होंने बड़े पर्दे पर अपनी काबिलियत साबित की। वहीं, सेक्रेड गेम्स, क्रिमनल जस्टिस जैसी वेब सीरीज से उन्होंने ओटीटी पर अपना जलवा बिखेरा। इन दिनों वह अपनी एक और वेब सीरीज मंडला मर्डर्स को लेकर चर्चा में हैं। खास बातचीत में उन्होंने कई पहलुओं पर चर्चा की। पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ के बीच परस्पर तालमेल बिठाकर चलने वाली अदाकारा ने इस मुलाकात में हमसे एक अच्छी मां की परिभाषा भी साझा की है।

मैंने इनकार करना भी सीखा है

कहते हैं ना कि इंसान कितनी भी कोशिश करे पर वही होता है, जो मंजूर-ए-खुदा होता है। हमारे प्लान से कोई फर्क नहीं पड़ता। आप लक्ष्य अपने दिमाग में रख सकते हैं लेकिन वहां पहुंचने के कई रास्ते हो सकते हैं। ये जरूरी नहीं कि सिर्फ एक ही तरह से मंजिल पर पहुंचा जाए। आप जो चीजें चुनते हो वो यह तय करती हैं कि आगे का रास्ता कैसा हो सकता है। मेरे कंट्रोल में जो चीजें हैं, उन पर ध्यान देती हूं। किसी भी काम के लिए हां, बोलना बेशक आसान होता है लेकिन मैंने इनकार करना भी सीख लिया है। मेरे हिसाब से ना बोलना बहुत ज्यादा मुश्किल होता है। वो ना आपने जो भी अब तक काम किया हुआ है, उसकी क्लास को दर्शाता है।

सुरवीन लगातार काम कर रही हैं। ऐसे में वह अपनी पर्सनल और प्रोफ्रेशनल लाइफ के बीच किस तरह तालमेल बैठा पा रही हैं? इस पर अदाकारा कहती हैं कि लगातार काम करके मुझे बहुत मजा आ रहा है। मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं कि अपने परिवार की वजह से बाहर आकर काम कर पाती हूं। कहते हैं ना कि हर आदमी-औरत को एक-दूसरे की जरूरत होती है। हमारे साथ भी वही है। हम दोनों एक-दूसरे के सपोर्ट से आराम से काम कर पा रहे हैं।

आप जो करेंगे, बच्चा भी वही करेगा

हर मां अपने आप में अच्छी है लेकिन मैं मदरहुड से ज्यादा पैरंटहुड की बात करूंगी क्योंकि मुझे लगता है कि अपने बच्चे को हम सीख समझा-बुझा कर नहीं दे सकते। इसके लिए आपको उदाहरण सेट करना पड़ता है। आप जैसा लोगों के साथ बर्ताव करेंगे, बच्चा भी वही करेगा। आपकी आदतों को भी वो वैसे ही फॉलो करेगा। अगर मैं खुद को ही हमेशा पीछे रखूंगी तो वो भी तो मेरा बच्चा देखेगा ना। इसका भी असर उस पर पड़ेगा।

पत्नी और मां से पहले एक इंसान हूं

अगर अपनी जरूरतों को पूरा नहीं करूंगी तो नाखुश रहूंगी। मैं यही मानती हूं कि जो इंसान खुद खुश है, वो ही दूसरों को भी खुशी दे सकता है। एक पत्नी, एक मां से पहले मैं भी एक इंसान हूं तो यह जरूरी नहीं कि मैं इन सब बातों को ध्यान में रखकर ही हमेशा कुछ सोचूं। बतौर सुरवीन भी तो मैं बहुत कुछ सोच सकती हूं ना।

हर बार अलग करने की कोशिश रहती

पर्दे पर इस रूप, रंग और अंदाज में मुझे पहले कभी नहीं देखा गया है। मेरी कोशिश यही रहती है कि हर बार कुछ अलग लेकर आऊं। गोपी पुथरण सर (लेखक निर्देशक) की फिल्म मर्दानी बहुत पसंद थी। वह अपने प्रोजेक्ट में औरतों को सशक्त रूप में पेश करते हैं। उनकी कहानियों में महिलाओं को पावरफुल रोल्स ही मिलते हैं। यह पहला मौका है, जब मैं किसी पॉलिटिशियन का किरदार निभा रही हूं। अनन्या भारद्वाज बहुत ही महत्वाकांक्षी महिला है, जो कि बहुत कुछ करना चाहती है। उस किरदार को मैं ब्लैक एंड वाइट तो नहीं बोल सकती लेकिन वह पूरी तरह से ग्रे भी नहीं है। उसमें विविध रंग देखने को मिलेंगे।

दिल्ली पुलिस के नए कमिश्नर बने सतीश गोलचा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली 21 अगस्त। दिल्ली पुलिस में बड़ा बदलाव हुआ है। सतीश गोलचा को नया पुलिस कमिश्नर बनाया गया है। दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता पर हुए अटैक के बाद यह बदलाव हुआ है। हालांकि उस घटना का इस फेरबदल से कितना संबंध है यह जरूर बहस का विषय है। पुलिस कमिश्नर का अतिरिक्त चार्ज संभाल रहे एसबीके सिंह को इस पद से फिलहाल हटा दिया गया है। सतीश गोलचा 1992 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। आईपीएस अधिकारी सतीश गोलचा ने एसबीके सिंह की जगह ली है। बता दें कि सतीश गोलचा इससे पहले दिल्ली पुलिस में डीसीपी, जॉइंट कमिश्नर और स्पेशल कमिश्नर के रूप में जिम्मेदारी को संभाल चुके हैं। इतना ही नहीं उन्होंने 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुई हिंसा के समय स्पेशल कमिश्नर (लॉ एंड ऑर्डर) के रूप में अहम भूमिका निभाई थी। वहीं फरवरी 2022 से जून 2023 तक वह अरुणाचल प्रदेश के डीजीपी भी रहे है। इसके बाद ही उन्हें दिल्ली वापस बुला लिया गया। अभी तक एसबीके सिंह के पास दिल्ली पुलिस कमिश्नर का एडिशनल चार्ज था, लेकिन दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता पर हमले के बाद एसबीके सिंह से दिल्ली पुलिस कमिश्नर का अतिरिक्त चार्ज वापस ले लिया गया। अब दिल्ली पुलिस कमिश्नर की जिम्मेदारी सतीश गोलचा को दी गई है।

दीव जिले में स्वच्छता पखवाडा अंतर्गत चलाया गया सफाई अभियान

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 21 अगस्त।
दीव जिले में स्वच्छता पखवाडा अंतर्गत सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान श्मशान गृह से गोमती माता बिच और श्मशान गृह से घूघम बिच विस्तार के समुद्र किनारे सफाई अभियान चलाया गया था। इस सफाई अभियान के दौरान समुद्र किनारे से लगभग 4000 किलो प्लास्टिक कचरा एकत्र किया गया। इस सफाई अभियान में दीव एडीएम विवेक कुमार, सरदार वल्लभभाई पटेल ग्राम पंचायत की सरपंच दमयंती नानजी, साउदवाडी ग्राम पंचायत सरपंच कांता मेघजी एवं शहीद भगत सिंह ग्राम पंचायत की सरपंच मेघजी लाखा एवं पंचायत सदस्य लखमण वरजांग तथा पंचायत के सफाई कर्मचारियों सहित पंचायत के मंत्रियों की उपस्थिति रही।

दानह संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के मतदान केंद्रों के युक्तिकरण के संबंध में सचिवालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में हुई बैठक

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 21 अगस्त। दादरा नगर हवेली संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के लिए मतदान केंद्रों के युक्तिकरण के संबंध में जिले के सभी राजनीतिक दलों के साथ सिलवासा निवासी उपसमाहर्ता की अध्यक्षता में आज सुबह 11:30 बजे जिला सचिवालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में एक बैठक आयोजित की गई। उपस्थित राजनीतिक दलों के साथ दादरा नगर हवेली संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के लिए मतदान केंद्रों के युक्तिकरण से संबंधित जानकारी साझा की गई। इस संबंध में राजनीतिक दलों द्वारा दिए गए सुझावों पर विस्तृत रुप से चर्चा की गई।

हिमाचल मित्र मंडल ने मेधावी छात्रों का किया सम्मान

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 21 अगस्त।
सिलवासा कलेक्ट्रेट भवन के सम्मेलन कक्ष में हिमाचल मित्र मंडल द्वारा मेधावी छात्रों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। संयुक्त सचिव सुनील कुमार ने अपने स्वागत प्रवचन में सिलवासा के मेधावी छात्रों की कार्यकुशलता, लगन और मेहनत पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के आरंभ में जे.एन. राणा मेंटर तथा एस. के. पटियाल अध्यक्ष ने मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि आरडीसी अमित कुमार उपस्थित रहे। अमित कुमार ने अपने कर-कमलों से छात्रों को पुरस्कार प्रदान किए और उनकी उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों ने कड़ी मेहनत और लगन से यह सफलता प्राप्त की है तथा इसमें अभिभावकों का योगदान भी सराहनीय है। उन्होंने सभी छात्रों और उनके माता-पिता को बधाई दी। समारोह में हिमाचल मित्र मंडल के जे.एन. राणा मेंटर तथा एस. के. पटियाल अध्यक्ष, प्रदीप गुलेरिया कोषाध्यक्ष, प्यारेलाल राणा लेखपाल, राकेश गुलेरिया पीआरओ, प्रदीप गुलेरिया इत्यादि हिमाचल मित्र मंडल के सदस्यगण इस कार्यक्रम में उपस्थित रहकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम में कुल 3 विद्यार्थियों को प्रथम पुरस्कार, 6 विद्यार्थियों को द्वितीय पुरस्कार और 7 विद्यार्थियों को तृतीय पुरस्कार प्रदान किए गए। हिमाचल मित्र मंडल ने विश्वास व्यक्त किया कि ऐसे आयोजन छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे और वे भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करेंगे।

दमण जिला स्तरीय इंटर स्कूल प्रतियोगिता में योगा अंडर-14 बॉयज एवं गर्ल्स इवेंट का हुआ आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 21 अगस्त। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली तथा दमण -दीव प्रशासक प्रफुल पटेल के कुशल मार्गदर्शन में खेल विभाग द्वारा जिला स्तरीय इंटर स्कूल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इनका उद्देश्य विद्यार्थियों में खेलों के प्रति रुचि बढ़ाना, प्रतिभा का विकास करना, शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करना तथा राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं हेतु प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन करना है। इसी कड़ी में 21 अगस्त 2025 को योगा अंडर-14 बॉयज एवं गर्ल्स प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया, जिसमें खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अंडर-14 बॉयज वर्ग के आर्टिस्टिक सिंगल में प्रिंस (श्री माछी महाजन स्कूल) प्रथम, प्रशांत (श्री माछी महाजन स्कूल) द्वितीय, आलोक (श्रीनाथजी स्कूल) तृतीय, आर्टिस्टिक पेयर में प्रिंस और प्रशांत (श्री माछी महाजन स्कूल) प्रथम, अंशु और हर्ष (श्री माछी महाजन स्कूल) द्वितीय, आशीष और आयुष (श्रीनाथजी स्कूल) तृतीय, रिद्धिक पेयर में लक्की और हेत (श्री माछी महाजन स्कूल) प्रथम, अंशु और हर्ष (श्री माछी महाजन स्कूल) द्वितीय, आयुष और ऋषिकेश (श्री माछी महाजन स्कूल) तृतीय, ट्रेडिशनल में प्रिंस (श्री माछी महाजन स्कूल) प्रथम, प्रशांत (श्री माछी महाजन स्कूल) द्वितीय, आदित्य (श्री माछी महाजन स्कूल) तृतीय स्थान प्राप्त किया। अंडर-14 गर्ल्स वर्ग के आर्टिस्टिक सिंगल में रिदम (वात्सल्य स्कूल) प्रथम, जीविका (वात्सल्य स्कूल) द्वितीय, श्रुति (श्रीनाथजी स्कूल) तृतीय, आर्टिस्टिक पेयर में रिदम और जीविका (वात्सल्य स्कूल) प्रथम, श्लोका और निधि (कोस्टगार्ड पब्लिक स्कूल) द्वितीय, विधि और साक्षी (कोस्टगार्ड पब्लिक स्कूल) तृतीय, रिद्धिक पेयर में अंशु और श्रुति (श्रीनाथजी स्कूल) प्रथम, नैन्सी और खुशी (श्री माछी महाजन स्कूल) द्वितीय, सिया और ओवी (कोस्ट गार्ड पब्लिक स्कूल) तृतीय, ट्रेडिशनल में रिदम (वात्सल्य स्कूल) प्रथम, जीविका (वात्सल्य स्कूल) द्वितीय, श्रुति (श्रीनाथजी स्कूल) तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को ट्रॉफी, मेडल एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। साथ ही दोनों वर्गों के शीर्ष खिलाड़ियों का संघ स्तरीय प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करने हेतु चयन किया गया। इस प्रतियोगिता की सफलता में विभाग के खेल संयोजक देवराज सिंह राठौड़, शारीरिक शिक्षक ईश्वर सोमला, योगा एसोसिएशन के ऑफिसियल आकाश उदेशी, अर्जुन उदेशी, स्नेहा जरीवाला, निकिता उदेशी, योगा शिक्षिका कविता साल्वे एवं विभिन्न विद्यालयों के शारीरिक शिक्षा शिक्षकों का विशेष योगदान रहा।

एफएसएसएआई ने गुजरात के एक डेयरी इकाई से 6500 किलोग्राम मिलावटी घी जप्त किया

■ एफएसएसएआई के विशेष घी निगरानी अभियान के तहत गुजरात में घटिया घी जप्त किया गया

(पीआईबी) अहमदाबाद 21 अगस्त। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने गुजरात के राजकोट स्थित एक डेयरी इकाई, मेसर्स कोरोवा मिल्क प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, से लगभग 35 लाख मूल्य का 6500 किलोग्राम मिलावटी घी जप्त किया है। यह कार्रवाई घी में विदेशी वसा की मिलावट की जाँच के लिए चलाए गए एक विशेष घी निगरानी अभियान का हिस्सा थी। प्रारंभिक निरीक्षण के दौरान, एफएसएसएआई ने घी के नमूने लिए और उन्हें एफएसएसएआई द्वारा अधिसूचित प्रयोगशाला में भेज दिया। प्रयोगशाला के परिणामों ने पुष्टि की कि नमूने घटिया थे और उनमें मिलावटी वनस्पति वसा थी, जो खाद्य सुरक्षा और मानक विनियम, 2011 का उल्लंघन है। खाद्य व्यवसाय संचालक (एफबीओ) को इन निष्कर्षों की सूचना दी गई और नमूनों को रेफरल प्रयोगशाला में भेजकर परिणामों के विरुद्ध अपील करने के लिए एक महीने का समय दिया गया, लेकिन कोई अपील दायर नहीं की गई। एफबीओ द्वारा अपील न करने पर, 20 अगस्त, 2025 को एक अनुवर्ती निरीक्षण किया गया। मिलावट के पुष्ट प्रमाणों के आधार पर, खाद्य सामग्री और तैयार माल के सभी उपलब्ध स्टॉक को जब्त कर लिया गया। नए नमूने भी एकत्र किए गए और आगे के विश्लेषण के लिए भेजे गए। केंद्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकरण अंतिम प्रयोगशाला परिणामों और जाँच के परिणामों के आधार पर आगे की कानूनी और नियामक कार्रवाई करेगा। एफएसएसएआई खाद्य पदार्थों में मिलावट के प्रति शून्य-सहिष्णुता की नीति अपनाता है और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि सभी खाद्य व्यवसाय संचालक सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करें। एफएसएसएआई दोहराता है कि उपभोक्ताओं को सुरक्षित और मिलावटी भोजन प्राप्त करने का अधिकार है, और किसी भी उल्लंघन पर एफएसएसएआई अधिनियम के प्रावधानों के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने नरोली ग्राम पंचायत में किया जनसुरक्षा शिविर का आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 21 अगस्त। बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा नरोली ग्राम पंचायत में जनसुरक्षा शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बैंक ऑफ बड़ौदा के क्षेत्रीय प्रबंधक ललित बरड़िया, भारतीय रिजर्व बैंक के सहायक महाप्रबंधक धर्मेन्द्र कच्छावा, जिला आयोजन अधिकारी पंकज परमार, नरोली ग्राम पंचायत के सरपंच लीना पटेल, नरोली ग्राम पंचायत सदस्य योगेश सोलंकी, जिला अग्रणी प्रबंधक सुनील माली, आरसेटी निदेशक विशाल कंदी, नरोली बैंक ऑफ़ बडौदा के ब्रांच मैनेजर, एसबीआई और एचडीएफसी ब्रांच मैनेजर उपस्थित रहे। इस अवसर पर आरबीआई सहायक महाप्रबंधक धर्मेन्द्र कच्छावा ने प्रधानमंत्री जन धन खाता और उसके रि-केवायसी के बारे मे जानकारी दी। बैंक ऑफ बड़ौदा के क्षेत्रीय प्रबंधक ललित बरड़िया ने प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, डिजिटल फ्रॉड के बारे में विस्तृत मार्गदर्शन किया। जिला आयोजन अधिकारी पंकज परमार ने जनता को सभी स्कीम का लाभ लेने के लिए आवेदन किया। सरपंच लीना पटेल और नरोली ग्राम पंचायत सदस्य योगेश सोलंकी ने कहा कि हम नरोली की हर एक फलिया में कैंप लगाकर इन सभी योजना की जागरूकता करेंगे और इस जनसुरक्षा शिविर को सफल बनाएंगे। जिला अग्रणी प्रबंधक सुनील माली ने ये सारी योजनाओं से भविष्य में होने वाले लाभ के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम का समापन सामूहिक जलपान एवं आपसी संवाद के साथ हुआ।

बडौदा ग्रामीण स्वरोजगार विकास संस्थान सिलवासा में आयोजित हुआ आरबीआई मिनी-टाउनहॉल बैठक और एलुमनी मीट

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 21 अगस्त। बडौदा ग्रामीण स्वरोजगार विकास संस्थान सिलवासा में पूर्व प्रशिक्षार्थियों का एक विशेष एलुमनी मीट एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 21 सफल उद्यमियों ने भाग लिया, जिन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर स्वरोजगार की राह को मजबूती से चुना और आत्मनिर्भर बने। इस कार्यक्रम में बैंक ऑफ बड़ौदा के क्षेत्रीय प्रबंधक ललित बरड़िया, भारतीय रिजर्व बैंक के सहायक महाप्रबंधक धर्मेन्द्र कच्छावा, जिला उद्योग केंद्र से प्रोजेक्ट मैनेजर रशिक पटेल, कृणाल त्रिवेदी, आरसेटी निदेशक विशाल कंदी, जिला अग्रणी प्रबंधक सुनील माली, खानवेल बैंक ऑफ़ बडौदा के ब्रांच मैनेजर किशोर पराड, खानवेल एचडीएफसी ब्रांच मैनेजर अनिल कुरकुटे उपस्थित रहे। इस अवसर पर सहायक महाप्रबंधक धर्मेन्द्र कच्छावा ने आरबीआई मिनी-टाउनहॉल बैठक के तहत बैंकिंग सेवाओं पर विस्तृत चर्चा की। बैंकिंग प्रणाली देश के आर्थिक विकास का महत्व पूर्ण हिस्सा है और ऋण योजनाएं आम आदमी, किसानों और उद्यमियों को आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्रदान करती हैं। क्षेत्रीय प्रबंधक ललित बरड़िया ने कहा कि बैंक आधुनिक अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। वे न केवल धन के लेन-देन का माध्यम हैं, बल्कि आम लोगों, किसानों, व्यापारियों और उद्यमियों को वित्तीय सहायता देकर देश की आर्थिक प्रगति में अहम भूमिका निभाते हैं। रशिक पटेल ने स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार और छोटे उद्योगों को बढ़ावा देना, जिला उद्योग केंद्र नए उद्यमियों को व्यवसाय शुरू करने में मार्गदर्शन, प्रशिक्षण, एवं वित्तीय सहायता के बारे में बताया। सुनील माली ने स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार के बढ़ते अवसरों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि केवल प्रशिक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रशिक्षणार्थियों को आत्मनिर्भर उद्यमी बनने तक निरंतर मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान करता है। निदेशक विशाल कंदी ने सभी पूर्व प्रशिक्षार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए संस्थान की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं से अवगत कराया। किशोर पराड ने अपने प्रेरक संबोधन में प्रशिक्षार्थियों को युवा उद्यमी योजना के अंतर्गत मिलने वाली लोन सुविधा, पात्रता एवं प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी, जो नवोदित उद्यमियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो सकती है। कार्यक्रम के दौरान सभी एलुमनी ने अपने-अपने अनुभव साझा किए और बताया कि किस प्रकार प्रशिक्षण उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया। यह समारोह न केवल उन्हें एक साझा मंच प्रदान करने का प्रयास था, बल्कि उनकी सफलता को सम्मानित कर स्वरोजगार की भावना को और भी सशक्त बनाना इसका मुख्य उद्देश्य रहा। कार्यक्रम का समापन सामूहिक जलपान एवं आपसी संवाद के साथ हुआ।

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)